



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-22102024-258126
CG-DL-E-22102024-258126

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 844]
No. 844]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 21, 2024/आश्विन 29, 1946
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 21, 2024/ASVINA 29, 1946

भारतीय उपचर्या परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2024

भारतीय उपचर्या परिषद् (फॉरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम) विनियम, 2023

फा.सं. 11-1/2024-आईएनसी (VII).—समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) की धारा 16(1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, यथा :-

1. लघु शीर्षक और प्रवर्तन

- ये विनियम भारतीय उपचर्या परिषद् (फॉरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम) विनियम, 2023 कहे जायेंगे।
- ये विनियम भारत के राजपत्र में इनकी अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. परिभाषाएं

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

- 'अधिनियम' का अभिप्राय समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का XLVIII) से है;
- 'परिषद्' का अभिप्राय अधिनियम के तहत गठित भारतीय उपचर्या परिषद् से है;

- iii. 'एसएनआरसी' का अभिप्राय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किसी भी नाम से गठित राज्य उपचर्या एवं प्रसाविका पंजीकरण परिषद् से है;
- iv. 'आरएन एंड आरएम' का अभिप्राय एक पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम) से है और एक ऐसे नर्स को दर्शाता है जिसने मान्यता प्राप्त नर्सिंग स्नातक (बी.एससी. नर्सिंग) या डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) पाठ्यक्रम, जैसा कि परिषद् द्वारा निर्धारित किया गया हो, सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो और किसी एक एसएनआरसी में पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका के रूप में पंजीकृत हो;
- v. 'नर्स पंजीकरण एवं ट्रेकिंग प्रणाली (एनआरटीएस)' का अभिप्राय भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), भारत सरकार के सहयोग से विकसित सॉफ्टवेयर प्रणाली से है, जिसे भारतीय उपचर्या रजिस्टर के रखरखाव व संचालन के लिये एनआईसी द्वारा हॉस्ट किया गया है। इसमें पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम)/पंजीकृत सहायक नर्स मिडवाइफ (आरएनएम)/पंजीकृत महिला स्वास्थ्य परिदर्शिका (आरएलएचवी) के आंकड़ों के संग्रह के लिये 'आधार' बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पर आधारित मानकीकृत प्रारूप हैं;
- vi. 'एनयूआईडी' का अभिप्राय एनआरटीएस द्वारा प्रत्याशी को दिए जाने वाले नर्सिंग यूनिफाइड आइडेंटिफिकेशन नम्बर से है;
- vii. 'जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम)' का अभिप्राय परिषद् द्वारा अधिनियम की धारा 10 के तहत स्वीकृत तथा अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में शामिल डिप्लोमा इन जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी प्रशिक्षण से है।

फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम

परिचय तथा पृष्ठभूमि

स्वास्थ्य विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान में तेजी से प्रगति हो रही है। फोरेंसिक विज्ञान प्रगति का एक ऐसा महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो अब गतिशील हो रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी, 2017) में विशिष्ट और अति-विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ नर्स तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, परिषद् ने नैदानिक प्रशिक्षण पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करते हुए बहुत से विशिष्ट कार्यक्रम विकसित किए हैं। फोरेंसिक नर्सिंग एक ऐसा ही कार्यक्रम है। आशा की जाती है कि स्नातकोत्तर स्तर पर तैयार फोरेंसिक नर्स विशेषज्ञ, अभ्यास के इस क्षेत्र में विशिष्ट फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास और नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम होंगे।

आजकल विश्व में और विशेष रूप से भारत में, विभिन्न प्रकार की हिंसा प्रवृत्ति एवं दुर्व्यवहार के कारण मानसिक आघात (ट्रोमा) के मामले बढ़ रहे हैं। हिंसा और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों को ऐसे प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा देखभाल प्रदान किए जाने की आवश्यकता होती है जो संबंधित आघात का इलाज भी कर सकते हों, चाहे वह यौन उत्पीड़न हो, अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा हो, उपेक्षा हो या फिर जानबूझकर दी गई अन्य प्रकार की कोई चोट हो। फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास, आवश्यकता के इस अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र को संबोधित करने वाला एक बहुआयामी और जटिल विशिष्टता वाला अभ्यास है, और साथ ही एक उभरती तथा चुनौतीपूर्ण विशिष्टता है। फोरेंसिक नर्सिंग, फोरेंसिक विज्ञान का अनुप्रयोग है, जो नैदानिक नर्सिंग अभ्यास के साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि वे कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में सार्वजनिक या कानूनी कार्यवाही के लिए लागू होते हैं।

फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास मुख्य रूप से हिंसा और आघात से प्रभावित व्यक्तियों और जनता, उनके परिजन, समुदायों और उन तंत्रों से संबंधित है जो उन्हें सहायता प्रदान करते हैं। फोरेंसिक नर्स यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, बाल शोषण एवं उपेक्षा, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, मौत की जांच, सुधार और बड़ी आपदाओं के बाद प्रभावित क्षेत्रों में अभ्यास करने में सक्षम होंगे। वे विभिन्न तंत्रों जैसे अस्पतालों, समुदायों, अहिंसा कार्यक्रमों, चिकित्सा परीक्षक कक्षाओं, सुधार संस्थानों और मनोरोग अस्पतालों में अभ्यास कर सकते हैं। उन्हें सामूहिक आपदाया सामुदायिक संकट की स्थितियों में भी लगाया जा सकता है।

दर्शन

परिषद् का मानना है कि:

पंजीकृत नर्सों को एम.एससी. नर्सिंग जैसी उन्नत तैयारी के साथ विशेषज्ञ नर्स के रूप में तैयार करने की आवश्यकता है। फोरेंसिक नर्सिंग विशिष्टता एक महत्वपूर्ण आवश्यकता का क्षेत्र है और पंजीकृत नर्सों को फोरेंसिक देखभाल तंत्र में रोगियों/ग्राहकों को सुरक्षित तथा सक्षम विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने के लिए फोरेंसिक नर्सिंग में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। नर्सों की भूमिका का विस्तार करने और फोरेंसिक विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति का उपयोग करने के लिए उन्नत प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

नर्सिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम स्नातक स्तर पर अर्जित क्षमता का निर्माण और विस्तार करता है तथा नर्सिंग अभ्यास, शिक्षा, प्रबंधन एवं शोध में फोरेंसिक विज्ञान के प्रासंगिक ज्ञान, सिद्धांतों और कौशल के अनुप्रयोग पर जोर देता है।

कार्यक्रम नर्सों को फोरेंसिक देखभाल तंत्र में नेतृत्व संभालने के लिए तैयार करता है जो समुदाय में स्वास्थ्य देखभाल तथा सुरक्षा को बढ़ावा देने में नर्स विशेषज्ञ, सलाहकार, शिक्षक और शोधकर्ता के रूप में कार्य कर सकते हैं।

कार्यक्रम स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है और आजीवन अधिगम के लिए जवाबदेही और प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करता है जो फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास की गुणवत्ता में सुधार को बढ़ावा देता है।

लक्ष्य

फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम पंजीकृत बी.एससी. नर्सों को विभिन्न फोरेंसिक देखभाल तंत्रों में फोरेंसिक नर्स विशेषज्ञ, विशेषज्ञ सलाहकार, शिक्षक और प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार करता है।

उद्देश्य

फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम पूरा करने पर, स्नातक निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे

1. समुदाय में स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए नर्सिंग तथा फोरेंसिक विज्ञान की विशिष्ट जानकारी व सिद्धांतों को लागू करना।
2. फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास में विशिष्ट दक्षताओं का निष्पादन करना।
3. उन रोगियों को विशिष्ट देखभाल प्रदान करने में एक विशेषज्ञ नर्स के रूप में अभ्यास करना जो हिंसा एवं आघात के शिकार हैं, जिसमें आघात तथा मृत्यु की जांच भी शामिल है।
4. फोरेंसिक देखभाल तंत्र में एक नर्स सलाहकार, शिक्षक/प्रबंधक के रूप में नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करना और प्रभावी ढंग से कार्य करना।
5. बहु-विषयक स्वास्थ्य देखभाल दलों और भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली के साथ बातचीत का माध्यम विकसित और इसे बढ़ावा देना।

कार्यक्रम की व्याख्या

यह कार्यक्रम पंजीकृत बी.एससी. नर्सों को फोरेंसिक देखभाल तंत्र में रोगियों/ग्राहकों, उनके परिजनों और समुदाय को विशिष्ट एवं गुणवत्तापरक देखभाल प्रदान करने में विशेष जानकारी, कौशल तथा दृष्टिकोण के साथ फोरेंसिक नर्स विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, विशेषज्ञ नर्सों को आघात एवं मृत्यु संबंधी जांच जैसे चोट की पहचान, मूल्यांकन और प्रलेखन के लिए तैयार किया जाता है।

फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम शुरू करने के लिए दिशानिर्देश तथा न्यूनतम पूर्वापेक्षाएं

1. निम्नलिखित संस्थान/संगठन फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम शुरू करने के लिए पात्र होंगे —
 - अ) केंद्र सरकार/राज्य सरकार/स्थानीय निकाय;
 - ब) सरकारी मेडिकल कॉलेज जिसमें नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नैदानिक फोरेंसिक औषधि एवं नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ 500 या अधिक शैयाओं वाला अस्पताल हो या नैदानिक, चिकित्सीय और अत्याधुनिक नैदानिक फोरेंसिक औषधि एवं नर्सिंग देखभाल सुविधाओं के साथ 500 या अधिक शैयाओं वाला स्पेशियलिटी/तृतीयक अस्पताल हो।
 2. पात्र संस्थान/संगठन को संबंधित राज्य सरकार से अनिवार्यता प्रमाण पत्र/अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा, जहां फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम स्थापित करने की मांग की गई है। अनापत्ति प्रमाण पत्र/अनिवार्यता प्रमाण पत्र में कॉलेज/नर्सिंग संस्थान के नाम एवं विवरण के साथ ट्रस्ट/सोसायटी का नाम, जैसा कि ट्रस्ट डीड या संस्था के बहिर्नियम (एमओए) में उल्लिखित हो, तथा पूर्ण पता उल्लिखित होना चाहिए।
 3. अनिवार्यता प्रमाण पत्र/अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के पश्चात, पात्र संस्थान को संबंधित एसएनआरसी से वांछित शैक्षणिक वर्ष के लिए फोरेंसिक नर्सिंग में एम.एससी. कार्यक्रम संचालित करने के लिए मान्यता लेनी होगी, जोकि एक अनिवार्य आवश्यकता है।
 4. परिषद् द्वारा उपरोक्त दस्तावेजों/प्रस्ताव ऑनलाइन प्राप्त होने के पश्चात, अधिनियम की धारा 13 के तहत मान्यता प्राप्त नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान का अधिनियम के प्रावधानों के तहत बनाए गए विनियमों के अनुरूप अध्यापन संकाय और नैदानिक एवं अवसंरचनात्मक सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए वैधानिक निरीक्षण किया जाएगा।
- ‘बशर्ते कि प्रशिक्षण संस्थान एसएनआरसी से मान्यता प्राप्त करने के 6 महीने के भीतर अधिनियम की धारा 13 के तहत वैधानिक निरीक्षण के लिए परिषद् को आवेदन करेगा।

दक्षताएं

1. फोरेंसिक नर्सिंग में स्नातकोत्तर उपाधि के साथ फोरेंसिक नर्स विशेषज्ञ, पीड़ितों और आघात, चोट, दुर्घटनाओं, उपेक्षा, दुर्व्यवहार, शोषण और सभी प्रकार की हिंसा के अपराधियों से निपटने वाले तंत्रों के प्रोटोकॉल का विकास, प्रचार और कार्यान्वयन करेंगे।
2. हिंसा, चोट, आघात, उपेक्षा, दुर्व्यवहार, शोषण और सभी प्रकार के उत्पीड़न के प्रति मानवीय प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करने वाली शोध नीति को प्रभावित करेंगे।
3. दूसरों को फोरेंसिक नर्सिंग और फोरेंसिक स्वास्थ्य की अवधारणाओं और अभ्यास के बारे में शिक्षित करेंगे।
4. दुर्घटनाओं, आघात, अपराध, उत्पीड़न, दुर्व्यवहार, उपेक्षा, शोषण और सभी प्रकार की हिंसा से संबंधित जटिल स्वास्थ्य समस्याओं के लिए देखभाल की प्रणालियों का विकास और पर्यवेक्षण करेंगे।

प्रशिक्षण संकाय का स्वरूप**एम.एससी. नर्सिंग**

प्रोफेसर एवं समन्वयक	1
रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर	1
व्याख्याता	2

उपरोक्त संकाय दोहरी भूमिका निभाएगा।

- संकाय की योग्यता — मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग में एम.एससी./फोरेंसिक नर्सिंग में एमएससी (इस कार्यक्रम को शुरू करने के बाद 2—5 वर्ष के अंदर संकाय के न्यूनतम एक सदस्य को फोरेंसिक नर्सिंग में स्नातकोत्तर होना चाहिए)।
- विधि में अतिरिक्त योग्यता रखने वाले संकाय को शिक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।

बी.एससी. नर्सिंग तथा एम.एससी. नर्सिंग

बी.एससी. नर्सिंग में 60 छात्रों का और एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम में 25 छात्रों वार्षिक प्रवेश

प्रोफेसर एवं प्रधानाचार्य	1
प्रोफेसर एवं उप-प्रधानाचार्य	1
रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर	5
व्याख्याता	8
ट्यूटर/नैदानिक प्रशिक्षक	19
कुल योग	34

प्रत्येक विशेषता में एक और सभी कॉलेजिएट कार्यक्रमों में सभी एम.एससी. नर्सिंग योग्य प्रशिक्षण संकाय भाग लेंगे।

एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षक छात्र अनुपात = 1:10

नर्सिंग कॉलेज के शिक्षकों की योग्यता और अनुभव

क्र.सं.	पदनाम	अर्हता और अनुभव
1	प्रधानाचार्य एवं प्रोफेसर वांछनीय — पीएच.डी. नर्सिंग वांछनीय है	एम.एससी. नर्सिंग के साथ 15 वर्ष का अनुभव, जिसमें से कॉलेजिएट कार्यक्रम में न्यूनतम 5 वर्ष के अनुभव के साथ 12 वर्ष का शिक्षण अनुभव होना चाहिए
2	उप-प्रधानाचार्य एवं प्रोफेसर वांछनीय — पीएच.डी. नर्सिंग वांछनीय है	एम.एससी. नर्सिंग के साथ 12 वर्ष का अनुभव, जिसमें से कॉलेजिएट कार्यक्रम में न्यूनतम 5 वर्ष के अनुभव के साथ 10 वर्ष का शिक्षण अनुभव होना चाहिए
3	प्रोफेसर वांछनीय — पीएच.डी. नर्सिंग वांछनीय है	एम.एससी. नर्सिंग के साथ 10 वर्ष का अनुभव, जिसमें से 7 वर्ष का शिक्षण अनुभव होना चाहिए
4	एसोसिएट प्रोफेसर वांछनीय — पीएच.डी. नर्सिंग वांछनीय है	एम.एससी. नर्सिंग के साथ 5 वर्ष का शिक्षण अनुभव सहित 8 वर्ष का अनुभव
5	सहायक प्रोफेसर वांछनीय — पीएच.डी. नर्सिंग वांछनीय है	एम.एससी. नर्सिंग के साथ 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव

आवश्यकतानुसार विभिन्न विषयों में चयनित इकाइयों के लिए बाह्य/अतिथि संकाय (विधि विशेषज्ञ, पुलिस अधिकारी, फोरेंसिक सर्जन, क्रिमिनोलॉजिस्ट, नैदानिक/आपराधिक मनोवैज्ञानिक) की व्यवस्था की जा सकती है।

टिप्पणी:

1. किसी कॉलेज के लिए आवश्यक कुल संकाय की गणना में किसी अंशकालिक नर्सिंग संकाय को नहीं जोड़ा जाएगा।
2. प्रविष्ट छात्रों की संख्या चाहे जो कुछ भी हो, संकाय के प्रोफेसर से व्याख्याता तक के सभी पदों को भरा जाना चाहिए।
3. एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम के लिए प्रत्येक विशेषता में उपयुक्त संख्या में एम.एससी. शिक्षकों को इस शर्त के अधीन नियुक्त किया जाना चाहिए कि शिक्षण संकाय की कुल संख्या निर्धारित संख्या के बराबर रहे।
4. सभी नर्सिंग शिक्षकों की योग्यता एक आधारभूत विश्वविद्यालय या अधिनियम की अनुसूचियों में निर्धारित योग्यता के समकक्ष होनी चाहिए और वे राज्य उपचर्या पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत होने चाहिए।
5. ट्यूटर/नैदानिक प्रशिक्षकों को छोड़कर नर्सिंग कॉलेज के सभी नर्सिंग संकाय के पास नर्सिंग विषयों में अपेक्षित मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर योग्यता होनी चाहिए।
6. समकक्ष स्नातकोत्तर योग्यता धारक, जिन्हें समय-समय पर परिषद् द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है, को संबंधित विषय में अपेक्षित मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर योग्यता माना जा सकता है।
7. प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य के अलावा सभी नर्सिंग शिक्षकों को नैदानिक प्रशिक्षण और/या देखभाल के पर्यवेक्षण के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 4 घंटे नैदानिक क्षेत्र में बिताने चाहिए।

अन्य कर्मचारीगण (न्यूनतम अर्हताएं)

(मशीनीकरण और अनुबंध सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, समीक्षा एवं संशोधन करके युक्तिसंगत बनाया जा सकता है)

- प्रबंधकीय कर्मचारीगण
 - क) प्रशासनिक अधिकारी 1
 - ख) कार्यालय अधीक्षक 1
 - ग) प्रधानाचार्य का निजी सहायक (पीए) 1
 - घ) लेखाकार/कैशियर 1
- उच्च श्रेणी लिपिक 2
- अवर श्रेणी लिपिक 2
- भंडारपाल/स्टोर कीपर (भंडार का रखरखाव) 1
- अध्ययन कक्ष परिचारक 2
- सफाई कर्मचारी अवसंरचनात्मक स्थान के अनुसार
- सुरक्षा कर्मचारी आवश्यकतानुसार
- चपरासी/कार्यालय परिचारक 4
- पुस्तकालय
 - क) पुस्तकालयाध्यक्ष 2
 - ख) पुस्तकालय सहायक आवश्यकतानुसार
- छात्रावास
 - क) वार्डन 2
 - ख) रसोइया, बैरे, सफाई कर्मचारी आवश्यकतानुसार
 - ग) आया/चपरासी आवश्यकतानुसार
 - घ) सुरक्षा कर्मचारी आवश्यकतानुसार
 - ड) माली और धोबी (वांछनीय) अवसंरचनात्मक सुविधाओं पर आधारित

पात्रता मानदंड/प्रवेश हेतु अर्हताएं

1. अभ्यर्थी को किसी भी एसएनआरसी के साथ एक पंजीकृत उपचर्या एवं पंजीकृत प्रसाविका (आरएन एंड आरएम) या समकक्ष होना चाहिए।
2. न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं निम्नलिखित होंगी:
न्यूनतम 55: कुल अंकों के साथ बी.एससी. नर्सिंग/बी.एससी. ऑनर्स नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग।

3. अभ्यर्थी, परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.एससी. नर्सिंग/बी.एससी. ऑनर्स. नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम में उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. अभ्यर्थी के पास बेसिक बी.एससी. नर्सिंग के बाद न्यूनतम एक वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए।
5. अभ्यर्थी के पास पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग से पहले या बाद में न्यूनतम एक वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए।
6. अभ्यर्थी चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ होना चाहिए।
7. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए अंकों में 5: की छूट दी जा सकती है।

प्रवेश/चयन परीक्षा

अभ्यर्थियों का चयन विश्वविद्यालय या सक्षम प्राधिकारी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा की योग्यता के आधार पर होना चाहिए।

परीक्षा विनियमन

परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता

सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक में 75: उपस्थिति होना अनिवार्य है। लेकिन, उपाधि प्रदान करने से पहले प्रायोगिक में 100: उपस्थिति होना अनिवार्य है।

परिणामों का वर्गीकरण

उत्तीर्ण सैद्धान्तिक और नैदानिक अनुभव में 50:

द्वितीय श्रेणी 50—59:

प्रथम श्रेणी 60—74:

डिसटिक्शन (सम्मान के साथ) 75: और ऊपर

श्रेणी की घोषणा दो वर्ष के कुल प्राप्तांकों के आधार पर की जाएगी।

यदि कोई अभ्यर्थी सैद्धान्तिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से किसी एक में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे (सैद्धान्तिक और प्रायोगिक) दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा में पुनः बैठना होगा।

प्रयासों की अधिकतम संख्या = 3

कार्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि = 4 वर्ष

यदि कोई अभ्यर्थी किसी भी विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता है, उसे दूसरे वर्ष में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, अभ्यर्थी को दूसरे वर्ष की परीक्षा में तब तक बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि वह एम.एससी. नर्सिंग प्रथम वर्ष की परीक्षा के सभी विषयों में उत्तीर्ण नहीं हो जाता/जाती है।

प्रायोगिक

- प्रति छात्र 4 घंटे प्रायोगिक परीक्षा
- प्रत्येक विशिष्टता में प्रति दिन अधिकतम 10 छात्र
- प्रायोगिक परीक्षा केवल संबंधित नैदानिक क्षेत्र में आयोजित की जानी चाहिए।

शोध निबंध

परीक्षक द्वारा शोध निबंध का मूल्यांकन मौखिक परीक्षा से पहले किया जाना चाहिए।

अवधि — मौखिक परीक्षा — प्रति छात्र न्यूनतम 30 मिनट।

शोध निबंध के लिए दिशानिर्देश

शोध निबंध के लिए अनंतिम समयसारणी

क्र.सं.	गतिविधि	निर्धारित समय
1.	शोध प्रस्ताव की प्रस्तुति	प्रथम वर्ष के 9वें महीने की समाप्ति तक
2.	समापक शोध प्रबंध की प्रस्तुति	द्वितीय वर्ष के 9वें महीने की समाप्ति तक

टिप्पणी — प्रशासनिक स्वीकृति और नैतिक मंजूरी प्राप्त की जानी चाहिए।

शोध मार्गदर्शक**क) मार्गदर्शक की योग्यता**

मुख्य मार्गदर्शक — पीएच.डी./एम.फिल./एम.एससी. नर्सिंग के साथ स्नातकोत्तर नर्सिंग कार्यक्रम में शिक्षण के न्यूनतम 3 वर्ष के अनुभव के साथ उसी नैदानिक विशिष्टता (मेडिकल सर्जिकल/फोरेंसिक नर्सिंग) में नर्सिंग फैकल्टी/ नर्सिंग विशेषज्ञ

सहायक मार्गदर्शक — अध्ययन के क्षेत्र में नर्सिंग संकाय/विशेषज्ञ (कॉलेज के बाहर से हो सकता है लेकिन शहर के भीतर होना चाहिए)

विषय विशेषज्ञ — फोरेंसिक साइंस/फोरेंसिक मेडिसिन में मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर उपाधि के साथ न्यूनतम 3 वर्ष का शिक्षण का अनुभव

‘इस कार्यक्रम को शुरू करने के बाद 3–5 वर्ष के अंदर न्यूनतम एक संकाय फोरेंसिक नर्सिंग में स्नातकोत्तर होना चाहिए।

ख) मार्गदर्शक-छात्र अनुपात

अधिकतम 1 : 4 (सहायक मार्गदर्शक सहित)

ग) शोध समिति

प्रत्येक कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य की अध्यक्षता वाली एक न्यूनतम 5 सदस्यीय शोध समिति होनी चाहिए।

अवधि

एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम की अवधि 2 वर्ष होगी।

उपलब्ध सप्ताह	52 सप्ताह
अवकाश सप्ताह	4 सप्ताह
परीक्षा हेतु सप्ताह	2 सप्ताह
राजपत्रित अवकाश हेतु सप्ताह	3 सप्ताह
कुल उपलब्ध सप्ताह	43 सप्ताह
प्रति सप्ताह 40 घंटे	1720 घंटे
2 वर्ष में कुल घंटे	3440 घंटे

अनुदेश पाठ-योजना

	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रायोगिक (घंटे)
प्रथम वर्ष		
नर्सिंग शिक्षा	150	150
उन्नत नर्सिंग अभ्यास	150	200
नर्सिंग शोध तथा सांख्यिकी	150	100
‘फोरेंसिक नर्सिंग I	150	650
कुल योग	600	1100
द्वितीय वर्ष	क	क
नर्सिंग प्रबंधन	150	150
नर्सिंग शोध (शोध निबंध)		300
‘फोरेंसिक नर्सिंग II	150	950
कुल योग	300	1400

शैक्षिक दौरे 2 सप्ताह (केंद्रीय कारागार, जिला/सत्र न्यायालय, राजस्व मंडल कार्यालय, पुलिस स्टेशन)

टिप्पणी — छात्रों को अध्ययन के कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक गतिविधि के लिए लॉग-बुक तैयार करनी होगी।

परीक्षा—योजना

	सैद्धांतिक			प्रायोगिक		
प्रथम वर्ष	घंटे	आंतरिक	बाह्य	घंटे	आंतरिक	बाह्य
नर्सिंग शिक्षा	3	25	75		50	50
उन्नत नर्सिंग अभ्यास	3	25	75			
नर्सिंग शोध तथा सांख्यिकी	3	25''	75'			
फोरेंसिक नर्सिंग ८	3	25	75		100	100
कुल योग		100	300		150	150
द्वितीय वर्ष						
नर्सिंग प्रबंधन	3	25	75			
शोध निबंध तथा मौखिक परीक्षा					100	100
फोरेंसिक नर्सिंग ८	3	25	75		100	100
कुल योग		50	150		200	200

नर्सिंग शोध = 50 तथा सांख्यिकी = 25

नर्सिंग शोध = 15 तथा सांख्यिकी = 10

- न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्रत्येक सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा में अलग-अलग 50: होंगे।
- परीक्षा में बैठने के लिए अभ्यर्थी की प्रत्येक विषय के सैद्धांतिक और प्रायोगिक कक्षाओं में न्यूनतम उपस्थिति 75: होनी चाहिए, चाहे अनुपस्थिति किसी भी कारणवश हुई हो।
- उपाधि प्रदान करने से पहले अभ्यर्थी की प्रत्येक प्रायोगिक क्षेत्र में शत-प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए।
- एक अभ्यर्थी को प्रत्येक विषय की सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा अलग-अलग उत्तीर्ण करनी होगी।
- यदि कोई अभ्यर्थी सैद्धान्तिक अथवा प्रायोगिक परीक्षा में से किसी एक में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे (सैद्धान्तिक और प्रायोगिक) दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा में पुनः बैठना होगा।
- प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए अनुमत प्रयासों की अधिकतम संख्या 3 होगी, जिसमें प्रथम प्रयास भी शामिल है।
- पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने की अधिकतम अवधि 4 (चार) वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- दो से अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थी को द्वितीय वर्ष में पदोन्नत नहीं किया जाएगा।
- किसी भी अभ्यर्थी को परवर्ती द्वितीय वर्ष की परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि अभ्यर्थी ने प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो।
- सभी प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों की अधिकतम संख्या प्रति दिन 10 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- पूरक परीक्षा का प्रावधान किया जाना चाहिए।
- सभी प्रायोगिक परीक्षाएं संबंधित नैदानिक क्षेत्रों में आयोजित की जानी चाहिए।
- प्रत्येक छात्र के लिए प्रायोगिक परीक्षा, एक आंतरिक और विश्वविद्यालय के बाहर के एक बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जानी चाहिए।
- परीक्षक को संबंधित विषय में एम.एससी. नर्सिंग के साथ न्यूनतम 3 (तीन) वर्ष का स्नातकोत्तर शिक्षण अनुभव होना चाहिए।
- प्रत्येक छात्र के लिए शोध निबंध का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा का आयोजन, एक आंतरिक परीक्षक तथा विश्वविद्यालय के बाहर के एक बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए।
जब तक एम.एससी. फोरेंसिक नर्सिंग संकाय उपलब्ध न हो, एक और अतिरिक्त आंतरिक परीक्षक फोरेंसिक विज्ञान/फोरेंसिक चिकित्सा में मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त एक संकाय सदस्य होना चाहिए, जिसके पास 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव हो।
- शोध निबंध के लिए आंतरिक परीक्षक (एम.एससी. संकाय) मार्गदर्शक होना चाहिए और बाह्य परीक्षक उसी नैदानिक विशिष्टता में पीएच.डी./एम.फिल./एम.एससी. नर्सिंग उपाधि वाला होना चाहिए जिसके पास नर्सिंग के स्नातकोत्तर छात्रों की शोध परियोजनाओं में मार्गदर्शन करने का न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव हो।

प्रवेश क्षमता

एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम में वार्षिक प्रवेश क्षमता के लिए नैदानिक, अवसंरचनात्मक सुविधाओं और शिक्षण संकाय के आधार पर परिषद् की पूर्व स्वीकृति/अनुमति प्राप्त होनी चाहिए।

स्वास्थ्य सेवाएं

छात्रों के लिए निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रावधान होने चाहिए:

- क) वार्षिक चिकित्सीय जांच
- ख) टेटनस, हेपेटाइटिस बी या किसी अन्य संचारी रोग का टीकाकरण जैसा भी आवश्यक हो।
- ग) बीमारी के दौरान मुफ्त चिकित्सा देखभाल और/अथवा स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान किया जाना चाहिए।
- घ) प्रत्येक छात्र का संपूर्ण व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए। लंबी अवधि की पुरानी बीमारी वाले छात्र के प्रशिक्षण को जारी रखने का फैसला संबंधित कॉलेज द्वारा लिया जाएगा।

पाठ्यक्रम अनुदेश**नर्सिंग शिक्षा**

स्थापन: प्रथम वर्ष

अनुदेश की अवधि:

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 150 घंटे

कुल योग: 300 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: यह पाठ्यक्रम छात्रों को मूल सिद्धांत, अवधारणा, प्रवृत्ति और शिक्षा एवं नर्सिंग शिक्षा से संबंधित मुद्दों की व्यापक समझ विकसित करने में सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, यह छात्रों को शिक्षण एवं मूल्यांकन, पाठ्यक्रम विकास, कार्यान्वयन, मानकों के रखरखाव और विभिन्न नर्सिंग शैक्षिक कार्यक्रमों की मान्यता की समझ विकसित करने, सराहने और उनमें कौशल हासिल करने के अवसर प्रदान करेगा।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. शिक्षा के उद्देश्य, दर्शन, शिक्षा में रुझान और स्वास्थ्य – नर्सिंग शिक्षा पर इसके प्रभाव की व्याख्या करना।
2. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का वर्णन करना।
3. विभिन्न अनुदेश साधन तथा विधियां तैयार करना और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उनका उपयोग करना।
4. विभिन्न अनुदेश रणनीतियों का उपयोग करते हुए शिक्षण में दक्षता प्रदर्शित करना।
5. मौजूदा नर्सिंग शैक्षिक कार्यक्रमों, उनकी समस्याओं, मुद्दों और भविष्य के रुझानों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना।
6. पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया, और पाठ्यचर्या परिवर्तन, नवाचार व एकीकरण की आवश्यकता तथा कार्यप्रणाली का वर्णन करना।
7. सतत नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रमों की योजना बनाना और उनका संचालन करना।
8. नर्सिंग में मौजूदा शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों का समालोचनात्मक विश्लेषण करना।
9. मार्गदर्शन और परामर्श में कौशल प्रदर्शित करना।
10. नर्सिंग पाठ्यक्रम के प्रबंधन के साथ-साथ चयन और नैदानिक अनुभव की रचना से संबंधित समस्याओं और मुद्दों का वर्णन करना।
11. नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रमों में मानकों के विकास और प्रत्यायन प्रक्रिया की व्याख्या करना।
12. नर्सिंग शिक्षा में शोध प्राथमिकताओं की पहचान करना।
13. नर्सिंग शिक्षा और सेवाओं में सहयोग के विभिन्न मॉडलों की चर्चा करना।
14. मूल्यांकन की अवधारणा, सिद्धांतों, चरणों, उपकरणों और तकनीकों की व्याख्या करना।
15. ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के आंकलन के लिए विभिन्न उपकरणों का निर्माण, प्रबंधन और मूल्यांकन करना।

पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

इकाई	घंटे		विषय-वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
I	10		परिचय <ul style="list-style-type: none"> ➤ शिक्षा – परिभाषा, उद्देश्य, अवधारणा, दर्शन और उनके शैक्षणिक आशय ➤ शिक्षा पर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और तकनीकी परिवर्तनों का प्रभाव:

इकाई	घंटे		विषय—वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
			<ul style="list-style-type: none"> • व्यावसायिक शिक्षा • शिक्षा में वर्तमान रुझान और मुद्दे • शैक्षिक सुधार और राष्ट्रीय शैक्षिक नीति, विभिन्न शैक्षिक आयोग – रिपोर्ट • भारत में नर्सिंग शिक्षा के विकास में रुझान
II	20	30	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया <ul style="list-style-type: none"> ➤ शिक्षण और अधिगम की अवधारणाएं – परिभाषा, शिक्षण और अधिगम के सिद्धांत, शिक्षण और अधिगम के बीच संबंध ➤ शैक्षिक अभिप्राय और उद्देश्य – प्रकार, डोमेन, स्तर, अवयव और शैक्षिक उद्देश्यों का लेखन ➤ योग्यता आधारित शिक्षा (सीबीई) और परिणाम आधारित शिक्षा (ओबीई) ➤ अनुदेश योजना – पाठ की योजना बनाना और तैयार करना, पाठ योजना लिखना – अर्थ, इसकी आवश्यकता और महत्व, प्रारूप ➤ अनुदेश रणनीतियां – व्याख्यान, चर्चा, निष्पादन, अनुकरण, प्रयोगशाला, सेमिनार, पैनल, संगोष्ठी, समस्या समाधान, समस्या आधारित शिक्षा (पीबीएल), कार्यशाला, परियोजना, भूमिका-निर्वहण (सामाजिक-नाटकीय), नैदानिक शिक्षण विधियां, योजनाबद्ध अनुदेश, स्व-निर्देशित अधिगम (एसडीएल), सूक्ष्म शिक्षण, कंप्यूटर की सहायता से अनुदेश (सीएआई), कंप्यूटर की सहायता से अधिगम (सीएएल), सिमुलेशन, मामले का परिदृश्य, चिंतनशील अधिगम
III	10	10	अनुदेश मीडिया तथा तरीके <ul style="list-style-type: none"> ➤ शिक्षा में माध्यमों के चयन और उपयोग की प्रमुख अवधारणाएं ➤ विभिन्न माध्यमों का उपयोग करके शिक्षण संसाधन सामग्री का विकास ➤ अनुदेश सहायता – प्रकार, उपयोग, चयन, तैयारी, प्रयोग ➤ शिक्षण सहायक सामग्री की खरीद और प्रबंधन में शिक्षक की भूमिका – अनुमानित और गैर-अनुमानित सहायता, मल्टीमीडिया, वीडियो-टेली कॉन्फ्रेंसिंग आदि
IV	10		पैमाना तथा मूल्यांकन <ul style="list-style-type: none"> ➤ पैमाना तथा मूल्यांकन की अवधारणा और प्रकृति, अर्थ, प्रक्रिया, उद्देश्य, मूल्यांकन व पैमाने में समस्याएं ➤ आंकलन के सिद्धांत, रचनात्मक और योगात्मक आंकलन – आंतरिक आंकलन, बाह्य परीक्षा, फायदे और नुकसान ➤ मानदंड और मानक संदर्भित मूल्यांकन
V	12	10	मानकीकृत तथा गैर-मानकीकृत परीक्षण <ul style="list-style-type: none"> ➤ अर्थ, विशेषताएं, वस्तुनिष्ठता, वैधता, विश्वसनीयता, उपयोगिता, मानदंड, परीक्षणों की तैयारी: <ul style="list-style-type: none"> • निबंध, लघु उत्तरीय प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न • योग्यता निर्धारण पैमाना, परीक्षण सूची, ओएससीई/ओएसपीई (वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक/प्रायोगिक परीक्षा) • अंतरीय पैमाना, और सारांशित पैमाना, समाजमिति, उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड, रवैयात्मक पैमाना, महत्वपूर्ण घटना तकनीक ➤ प्रश्न बैंक – तैयारी, सत्यापन, पैनल द्वारा संयमन, उपयोग ➤ गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रणाली विकसित करना
VI	8	5	प्रबंधन, समंकन तथा प्रतिवेदन <ul style="list-style-type: none"> ➤ परीक्षण करना; लेखन, श्रेणीकरण की तुलना में अंक ➤ वस्तुनिष्ठ परीक्षण, निबंध परीक्षण लेखन, लेखन के तरीके, मद विश्लेषण

इकाई	घंटे		विषय-वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
VII	12	6	मानकीकृत उपकरण <ul style="list-style-type: none"> बुद्धिमत्ता रुझान के परीक्षण, रुचि, व्यक्तित्व, उपलब्धि, सामाजिक-आर्थिक स्थिति पैमाने, विशेष मानसिक तथा शारीरिक क्षमताओं और अक्षमताओं के परीक्षण
VIII	5	6	नर्सिंग शैक्षिक कार्यक्रम <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग शिक्षा का परिप्रेक्ष्य – वैश्विक और राष्ट्रीय भारत में नर्सिंग शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का स्वरूप; गैर-विश्वविद्यालयी और विश्वविद्यालयी कार्यक्रम – एएनएम, जीएनएम, बेसिक बी.एससी. नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग, एम.एससी. नर्सिंग कार्यक्रम, नर्सिंग में एम.फिल. तथा पीएच.डी., पोस्ट बेसिक डिप्लोमा कार्यक्रम, नर्स प्रैक्टिशनर कार्यक्रम
IX	12	25	सतत नर्सिंग शिक्षा <ul style="list-style-type: none"> अवधारणा – परिभाषा, महत्व, आवश्यकता का दायरा, वयस्क अधिगम का सिद्धांत, अधिगम की आवश्यकताओं का आंकलन, प्राथमिकता, संसाधन सतत शिक्षा कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन सतत शिक्षा में शोध नर्सिंग में दूरस्थ शिक्षा
X	10	10	पाठ्यक्रम परिवर्द्धन <ul style="list-style-type: none"> परिभाषा, पाठ्यक्रम के अवधारक, पाठ्यक्रम परिवर्द्धन की प्रक्रिया और उसके चरण, पाठ्यक्रम के मॉडल, प्रकार और रूपरेखा दर्शन तैयार करना, उद्देश्य, अधिगम अनुभवों का चयन और तंत्र तैयार करना; मुख्ययोजना, पाठ्यक्रम योजना, इकाई योजना मूल्यांकन रणनीतियां, पाठ्यक्रम परिवर्तन की प्रक्रिया, छात्रों, शिक्षकों, प्रशासकों, सांविधिक निकायों और अन्य हितधारकों की भूमिका पाठ्यक्रमों की समानता – प्रतिलेख, क्रेडिट प्रणाली
XI	8	4	शिक्षक की तैयारी <ul style="list-style-type: none"> शिक्षक – भूमिकाएं एवं जिम्मेदारियां, कार्य, विशेषताएं, दक्षताएं, गुण पेशेवर शिक्षक की तैयारी शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों के व्यावसायिक पहलुओं का आयोजन मूल्यांकन – स्वयं और सहकर्मी भारत में विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समालोचनात्मक विश्लेषण
XII	10	5	मार्गदर्शन तथा परामर्श <ul style="list-style-type: none"> अवधारणा, सिद्धांत, आवश्यकता, मार्गदर्शन तथा परामर्श में अंतर, रुझान और मुद्दे मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएं – नैदानिक तथा उपचारात्मक सेवाओं का समन्वय और संगठन परामर्श की तकनीकें – साक्षात्कार, वैयक्तिक कार्य, परामर्शदाता के लक्षण, परामर्श में समस्याएं परामर्श के लिए व्यावसायिक तैयारी और प्रशिक्षण
XIII	15	10	नर्सिंग पाठ्यक्रम का प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> पाठ्यचर्या समन्वयक की भूमिका – योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन नर्सिंग में शैक्षिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन – पाठ्यक्रम और कार्यक्रम शिक्षण संकाय अन्य कर्मी संबंध को प्रभावित करने वाले कारक और एक साथ काम करने की तकनीकें संकाय पर्यवेक्षक की दोहरी भूमिका की अवधारणा नर्सिंग पाठ्यक्रम में शोध

इकाई	घंटे		विषय—वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
			➤ शिक्षा और सेवा के बीच सहयोग के विभिन्न मॉडल
XIV	10		नर्सिंग शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन ➤ योजना, आयोजन, स्टाफिंग, बजट, भर्ती, अनुशासन, जनसंपर्क, निष्पादन मूल्यांकन, कल्याण सेवाएं, पुस्तकालय सेवाएं, छात्रावास
XV	5	5	➤ मानकों का विकास और रखरखाव तथा नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रमों में मान्यता ➤ भारतीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी), राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषद् (एसएनआरसी), परीक्षा बोर्ड और विश्वविद्यालय की भूमिका ➤ पेशेवर संस्थाओं और संघठनों की भूमिका

गतिविधियां

- दर्शन, लक्ष्य और उद्देश्य तैयार करना
- पाठ नियोजन
- सूक्ष्म शिक्षण — 2
- विभिन्न शिक्षण रणनीतियों का उपयोग करते हुए अभ्यास शिक्षण का संचालन करना — 10 (जैसे व्याख्यान एवं चर्चा, निष्पादन — प्रयोगशाला विधि, क्षेत्रीय दौरे, सेमिनार, परियोजना, भूमिका निभाना, पैनल चर्चा, नैदानिक विधियां आदि)
- विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करना और उसका उपयोग
- पाठ्यक्रम योजनाओं, इकाई योजनाओं, आवर्तन योजनाओं का विकास
- सतत शिक्षा कार्यशाला का आयोजन
- सटीक ग्रंथ सूची
- चयनित संस्थान द्वारा पेश किए जाने वाले किसी भी नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रम का आलोचनात्मक मूल्यांकन
- क्षेत्रीय दौरों की योजना बनाना और उनका आयोजन
- शैक्षिक दौरे
- मान्यता/पंजीकरण प्रक्रिया से परिचित होने के लिए क्षेत्रीय दौरे (परिषद्/एसएनआरसी)।
- उपकरणों का निर्माण, प्रबंधन और मूल्यांकन (वस्तुनिष्ठ और निबंध प्रकार की परीक्षा, अवलोकन परीक्षण सूची, योग्यता निर्धारण पैमाना आदि)
- विभिन्न गैर-मानकीकृत परीक्षणों (बुद्धिमत्ता, योग्यता, व्यक्तित्व, समाजमिति, शारीरिक और मानसिक अक्षमता) का निरीक्षण और अभ्यास

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान एवं चर्चा
- निष्पादन/परावर्ती निष्पादन
- सेमिनार/प्रस्तुतिकरण
- परियोजना कार्य
- क्षेत्रीय दौरे
- कार्यशाला

मूल्यांकन के तरीके

- परीक्षण
- प्रस्तुतिकरण
- परियोजना कार्य
- लिखित कार्य

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता
परीक्षण (2 परीक्षण)	50
नियत कार्य	25
सेमिनार/प्रस्तुतिकरण	25
कुल योग	100

प्रायोगिक – आंतरिक आंकलन

शिक्षण संसाधन सामग्री तैयार करना/उपयोग करना	25
शिक्षण अभ्यास	50
कार्यशाला/अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित करना	25

प्रायोगिक – बाह्य आंकलन

शिक्षण अभ्यास – 1	50
शिक्षण संसाधन सामग्री तैयार करना/उपयोग करना – 1	25
परीक्षण/आवर्तन योजना तैयार करना	25

उन्नत नर्सिंग अभ्यास

स्थापन: प्रथम वर्ष

अनुदेश की अवधि

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 200 घंटे

कुल योग: 350 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: पाठ्यक्रम को अग्रिम नर्सिंग अभ्यास के सैद्धांतिक आधार की अवधारणाओं एवं संरचनाओं की समझ विकसित करने तथा नर्सिंग और अन्य विषयों के विभिन्न सिद्धांतों का गंभीर विश्लेषण करने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. पेशे के रूप में नर्सिंग के विकास की सराहना और विश्लेषण करना।
2. स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन और नर्सिंग अभ्यास के नैतिक, कानूनी, राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं का वर्णन करना।
3. स्वास्थ्य, जीवन शैली और स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन प्रणाली की जैव-मनोवैज्ञानिक-सामाजिक गतिशीलता की व्याख्या करना।
4. नर्सिंग की प्रासंगिक अवधारणा, सिद्धांत, परिकल्पना, मॉडल, दृष्टिकोण और उनके अनुप्रयोग पर चर्चा करना।
5. नर्सिंग अभ्यास के दायरे का वर्णन करना।
6. नर्सिंग प्रक्रिया दृष्टिकोण का पालन करते हुए समग्र और सक्षम नर्सिंग देखभाल प्रदान करना।
7. नर्सिंग में नवीनतम रुझानों और उन्नत नर्सिंग अभ्यास के आधार की पहचान करना।
8. नर्स की विस्तृत और लंबी भूमिका निभाना।
9. नर्सिंग देखभाल के वैकल्पिक तौर-तरीकों का वर्णन करना।
10. नर्सिंग में गुणवत्ता नियंत्रण की अवधारणा का वर्णन करना।
11. नर्सिंग शोध के दायरे की पहचान करना।
12. रोगी देखभाल प्रतिपादन प्रणाली और नर्सिंग अभ्यास में कंप्यूटर का प्रयोग करना।
13. आत्म-विकास और पेशेवर उन्नति के महत्व की सराहना करना।

पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

इकाई	घंटे	विषय-वस्तु
I	10	<p>पेशे के रूप में नर्सिंग</p> <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग पेशे के विकास का इतिहास, विशेषताएं, पेशे के मानदंड, नर्सिंग पेशे का परिदृश्य – राष्ट्रीय, वैश्विक आचार संहिता (राष्ट्रीय-आईएनसी और अंतर्राष्ट्रीय-आईसीएन, आईसीएम), पेशेवर आचार संहिता (आईएनसीए आईसीएन, आईसीएम), स्वायत्तता और जवाबदेही, मुखरता, नर्सों की दृश्यता, कानूनी महत्व नियामक निकायों की भूमिका पेशेवर संगठन और संघ – आत्मरक्षा, व्यक्तिगत और सामूहिक सौदेबाजी शैक्षिक तैयारी, सतत शिक्षा, आजीविका के अवसर, पेशेवर उन्नति और नर्सिंग शिक्षा की भूमिका तथा कार्यक्षेत्र शोध, नेतृत्व और प्रबंधन की भूमिका नियामक परिषदों/मान्यता निकायों द्वारा नर्सिंग में गुणवत्ता आश्वासन अत्याधुनिक नर्सिंग
II	5	<p>स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना</p> <ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग पेशे की तुलना में स्वास्थ्य देखभाल का माहौल, अर्थशास्त्र, बाधाएं, योजना प्रक्रिया, नीतियां, राजनीतिक प्रक्रिया स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन प्रणाली – राष्ट्रीय, राज्य, जिला और स्थानीय स्तर स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में प्रमुख हितधारक – सरकारी, गैर-सरकारी, औद्योगिक और अन्य पेशेवर भारत में नर्सिंग देखभाल प्रतिपादन का स्वरूप स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन चिंताएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम, अंतर-क्षेत्रीय समन्वय, गैर-सरकारी एजेंसियों की भूमिका सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) टेली-मेडिसिन
III	10	<p>आनुवंशिकी</p> <ul style="list-style-type: none"> कोशिकीय विभाजन की समीक्षा, उत्परिवर्तन और वंशानुक्रम के नियम, मानव जीनोम परियोजना, जीनोमिक युग जीन, क्रोमोसोम और डीएनए की बुनियादी अवधारणाएं आम आनुवंशिक विकारों के उपमार्ग आनुवंशिक परीक्षण – आनुवंशिक निदान का आधार, पूर्व-लक्षण और पूर्वसूचना परीक्षण, प्रसव पूर्व निदान और जांच, आनुवंशिक परीक्षण में नैतिक, कानूनी और मनोसामाजिक मुद्दे आनुवंशिक परामर्श नर्सिंग में आनुवंशिकी का प्रायोगिक अनुप्रयोग
IV	10	<p>महामारी विज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none"> दायरा, महामारी विज्ञान के दृष्टिकोण और तरीके रुग्णता, मृत्यु दर रोगों के कारण की अवधारणा और उनकी जांच स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन, स्वास्थ्य निगरानी और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में महामारी विज्ञान का अनुप्रयोग नर्स की भूमिका
V	20	<p>जैव-मनःसामाजिक निदान</p> <ul style="list-style-type: none"> रोग के कारण का पैथोफिजियोलॉजी और साइकोडायनेमिक्स जीवन प्रक्रियाएं, होमियोस्टैटिक तंत्र, रोग के कारण में जैविक और मनःसामाजिक गतिशीलता, जीवन शैली

इकाई	घंटे	विषय-वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> सामान्य समस्याएं — ऑक्सीजन की कमी, द्रव और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन, पोषण संबंधी समस्याएं, रक्तस्राव और आघात, शरीर के तापमान में बदलाव, बेहोशी, नींद का पैटर्न और इसकी गड़बड़ी, दर्द, संवेदी अभाव उपचार के पहलू — औषधीय तथा शल्य प्रक्रिया के पूर्व और पश्चात की देखभाल के पहलू हृदय फुफ्फुसीय चिकित्सा जीवन के अंतकाल में देखभाल संक्रमण, जिसमें एचआईवी भी शामिल है, की रोकथाम और मानक सुरक्षा उपाय, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नर्स की भूमिका — साक्ष्य आधारित नर्सिंग अभ्यास; सर्वोत्तम प्रथाएं नर्सिंग में नवाचार
VI	20	नर्सिंग का दर्शनशास्त्र और सिद्धांत <ul style="list-style-type: none"> मूल्य, वैचारिक मॉडल, दृष्टिकोण नर्सिंग सिद्धांत — नाइटिंगेल, हेंडरसन, रोजर, पेप्लाउ, अब्देला, लेविन, ओरेम, जॉनसन, किंग्स, न्यूमैन, रॉय, वाटसन, आदि और उनके अनुप्रयोग स्वास्थ्य विश्वास मॉडल, संचार और प्रबंधन, आदि आत्म स्वास्थ्य की अवधारणा साक्ष्य आधारित अभ्यास मॉडल
VII	10	नर्सिंग प्रक्रिया दृष्टिकोण मॉड्यूल <ul style="list-style-type: none"> स्वास्थ्य आंकलन — रोगियों/ग्राहकों (वैयक्तिक, पारिवारिक, सामुदायिक) की बीमारी की स्थिति, स्वास्थ्य-बीमारी की समस्याओं की पहचान, स्वास्थ्य व्यवहार, रोगियों/ग्राहकों के संकेत और लक्षण नर्सिंग प्रक्रिया के लिए प्रासंगिक डेटा के संग्रहण, विश्लेषण और उपयोग के तरीके नर्सिंग देखभाल योजनाओं का निर्माण, स्वास्थ्य लक्ष्य, कार्यान्वयन, संशोधन और देखभाल का मूल्यांकन
VIII	30	मनोवैज्ञानिक पहलू और मानवीय संबंध <ul style="list-style-type: none"> मानव व्यवहार, जीवन प्रक्रियाएं और विकास और संवर्धन, वैयक्तिक विकास, रक्षा तंत्र संचार, पारस्परिक संबंध, वैयक्तिक और सामूहिक, सामूहिक गतिशीलता और संगठनात्मक व्यवहार बुनियादी मानवीय जरूरतें, विकास और संवर्धन, (अवधारणा से लेकर प्री-स्कूल तक, स्कूल जाने की उम्र से लेकर किशोरावस्था तक, युवा और मध्य वयस्क और अधिक उम्र के वयस्क) कामुकता और यौन स्वास्थ्य तनाव और अनुकूलन, संकट और उसका मध्यवर्तन हानि, मृत्यु और शोक का सामना करना परामर्श के सिद्धांत और तकनीक
IX	10	नर्सिंग अभ्यास <ul style="list-style-type: none"> ढांचा, दायरा और रुझान देखभाल के वैकल्पिक तौर-तरीके, स्वास्थ्य की वैकल्पिक प्रणालियां और पूरक उपचार समुदाय और संस्थानों में प्रोत्साहक, निवारक, उपचारात्मक और पुनर्स्थापनात्मक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन प्रणाली में नर्स की विस्तृत और लंबी भूमिका स्वास्थ्य संवर्धन और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्वतंत्र अभ्यास मुद्दे — स्वतंत्र नर्स-मिडवाइफरी व्यवसायी सहयोग के मुद्दे और मॉडल — नर्सिंग के भीतर और बाहर रोकथाम के मॉडल पारिवारिक नर्सिंग, घरेलू नर्सिंग लैंगिक संवेदनशील मुद्दे और महिला सशक्तिकरण आपदाकालीन नर्सिंग नर्सिंग में जराचिकित्सा संबंधी विचार साक्ष्य आधारित नर्सिंग अभ्यास — सर्वोत्तम प्रथाएं

इकाई	घंटे	विषय-वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> परा-सांस्कृतिक नर्सिंग
X	25	रोगी देखभाल प्रतिपादन प्रणाली और नर्सिंग अभ्यास के लिए कंप्यूटर अनुप्रयोग <ul style="list-style-type: none"> अध्यापन, अधिगम, शोध और नर्सिंग अभ्यास में कंप्यूटर का उपयोग विंडोज, एमएस ऑफिस – वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट इंटरनेट, साहित्यिक खोज सांख्यिकीय पैकेज अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली – सॉफ्टवेयर

प्रायोगिक: निम्नलिखित क्षेत्रों में नैदानिक पदस्थापन:

- विशेषता क्षेत्र – रोगी इकाई – 2 सप्ताह
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/पीएचसी – 2 सप्ताह
- आपातकालीन/आईसीयू – 2 सप्ताह

गतिविधियां

- नर्सिंग प्रक्रिया दृष्टिकोण (स्वास्थ्य आंकलन एक आपात स्थिति) और सैद्धांतिक आधार (कोमा स्वास्थ्य) के साथ वृत्त अध्ययन तैयार करना
- सिद्धांतों की तुलनात्मक तस्वीर की प्रस्तुति
- पारिवारिक मामला – रोकथाम के मॉडल का उपयोग करते हुए कार्य करना
- सटीक ग्रंथ सूची
- क्षेत्रीय दौरों की रिपोर्ट (5)

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान एवं चर्चा
- सेमिनार
- पैनल चर्चा
- वाद-विवाद
- मामले का प्रस्तुतिकरण
- वैज्ञानिक सम्मेलनों का निष्पादन
- क्षेत्रीय दौरे

मूल्यांकन के तरीके

- परीक्षण
- प्रस्तुतिकरण
- सेमिनार
- लिखित कार्य

अग्रिम नर्सिंग प्रक्रियाएं

- परिभाषा, संकेत और नर्सिंग पहलू – सीपीआर, टीपीएन, हेमोडायनामिक मॉनिटरिंग, एंडोट्रेचियल इंटुबेशन, ट्रेकियोस्टोमी, मैकेनिकल वेंटिलेशन, पेसमेकर, हेमोडायलिसिस, पेरिटोनियल डायलिसिस, एलपी, बीटी प्लुरल एंड एब्डोमिनल पैरासेन्टेसिस ओटी तकनीक, स्वास्थ्य आंकलन, ट्राइएज, पल्स ऑक्सीमेट्री

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता
परीक्षण (2 परीक्षण)	50
नियत कार्य	25
सेमिनार/प्रस्तुतिकरण	25
कुल योग	100

फॉरेंसिक नर्सिंग I (फॉरेंसिक नर्सिंग के मूल सिद्धांत और नर्सिंग के चिकित्सीय विधिक तथा जांच पहलू)

स्थापन: प्रथम वर्ष

अनुदेश की अवधि:

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 650 घंटे

कुल योग: 800 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: फॉरेंसिक नर्सिंग ८ को छात्रों को फॉरेंसिक नर्सिंग के चिकित्सीय विधिक पहलुओं, न्यायिक प्रणाली और फॉरेंसिक नर्सिंग अभ्यास के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं की व्यापक समझ विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, उन्हें फॉरेंसिक चिकित्सा परीक्षकों को यौन प्रयास, आघात व मृत्यु के कारणों का मूल्यांकन तथा आंकलन करने में सहायता करने या ऐसा स्वयं करने और हिंसा/अपराध और आघात से पीड़ितों को आपातकालीन मध्यवर्तन प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. फॉरेंसिक नर्सिंग के चिकित्सीय विधिक पहलुओं के महत्व को पहचानना और कानूनी प्रक्रियाओं का अनुप्रयोग करना।
2. वैज्ञानिक जांच और बहु-विषयक सहयोग में फॉरेंसिक नर्सिंग अनुप्रयोग की अवधारणा की व्याख्या करना।
3. तथ्य गवाह और विशेषज्ञ गवाह की गवाही की अवधारणा को समझना।
4. आपदा के समय घायलों के उपचार के लिए वरीयता निर्धारण करना और आघात से पीड़ितों या आघात देने वाले अपराधियों के लिए आपातकालीन मध्यवर्तन प्रदान करना।
5. आग्नेयास्त्र से संबंधित चोटों और श्वासावरोध सहित हिंसा और आघात के पीड़ितों को कम से कम या बिना शारीरिक एवं भावनात्मक आघात के जैविक, अवशेष/भौतिक साक्ष्य संग्रहित करना और उनका संरक्षण करना।
6. फॉरेंसिक नर्सिंग अभ्यास में कंप्यूटर के ज्ञान को लागू करना।
7. विषाक्तता के शिकार लोगों को आपातकालीन नर्सिंग देखभाल प्रदान करना।
8. बच्चों और वयस्कों की यौन परीक्षा आयोजित करने के लिए नीतियों व प्रक्रियाओं के अनुसार फॉरेंसिक/चिकित्सा परीक्षा और यौन आघात का मूल्यांकन करना।
9. अंग प्रत्यारोपण से संबंधित चिकित्सकीय विधिक पहलुओं को समझना।
10. पीड़ितों की अप्राकृतिक परिस्थितियों में मृत्यु के कारणों का आंकलन और मूल्यांकन करने में फॉरेंसिक चिकित्सा परीक्षकों की सहायता करना।
11. अपराधिक जांच में डीएनए साक्ष्य के पहलू को समझना।
12. कानूनी निहितार्थों के साथ आवश्यक दस्तावेजों (रिकॉर्ड और रिपोर्ट) को बनाए रखना।

अध्ययन विषय—वस्तु

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
I	20	फॉरेंसिक विज्ञान <ul style="list-style-type: none"> • परिचय • परिभाषा • इतिहास और विकास • दायरा और जरूरत • सिद्धांत • फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं फॉरेंसिक नर्सिंग <ul style="list-style-type: none"> • परिचय • परिभाषा • अवधारणाएं • विशेषताएं • जांच में नर्सिंग का महत्व • दायरा और जरूरत • वैज्ञानिक जांच में अनुप्रयोग

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> • फोरेंसिक नर्सिंग का कार्यक्षेत्र • नर्सिंग में नैतिक मुद्दे • बहुआयामी सहयोग <p>पुलिस प्रबंधन</p> <ul style="list-style-type: none"> • पुलिस का पदानुक्रम • प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का महत्व • पुलिस—चिकित्सा परीक्षक का रिश्ता • डॉक्टर—नर्स का रिश्ता • पुलिस—फोरेंसिक नर्स का रिश्ता <p>कानूनी प्रक्रिया</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत में न्यायिक प्रणाली — भारतीय दंड संहिता • न्यायालयों के प्रकार, उनका अधिकार क्षेत्र और उनके अधिकार • पूछताछ के प्रकार • मृत्युकालिक कथन और मृत्युकालीन बयान • आपातकालीन कक्ष प्रबंधन और दस्तावेजीकरण • घरेलू हिंसा, बाल शोषण और महिलाओं के खिलाफ अपराध • हिरासत के प्रकार — गिरफ्तारी, रिमांड, न्यायिक हिरासत • मौखिक साक्ष्य — तथ्य गवाह और विशेषज्ञ गवाह की गवाही की अवधारणा <p>आपात स्थिति में नर्सिंग का महत्व</p> <p>साक्ष्य के मानसिक चित्रण में विकिरणों का उपयोग</p>
II	15	<p>सीरम विज्ञान और जीव विज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none"> • रक्त और उसकी संरचना • फोरेंसिक महत्व — रक्त और मदिरा विश्लेषण • वीर्य और शरीर के अन्य तरल पदार्थों की संरचना <p>डीएनए का परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> • डीएनए की रासायनिक संरचना • डीएनए का फोरेंसिक विश्लेषण और आपराधिक जांच में इसका महत्व • डीएनए विश्लेषण के लिए जैविक नमूनों के संग्रहण और संरक्षण की प्रक्रिया • डीएनए की रूपरेखा और अग्रेषण नोट के लिए पहचान प्रपत्र • डीएनए फिंगर प्रिंटिंग • बाल, तंतु/तंत्रिका, होंठ के निशान और काटने के निशान की जांच का अनुप्रयोग
III	20	<p>प्राक्षेपिकी</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद का परिचय ■ घाव प्राक्षेपिकी ■ विभिन्न हथियारों से उत्पन्न प्रविष्टि तथा निकास घाव और उनकी विशेषताएं ■ बन्दूक की चोटों के मामले में बन्दूक की दूरी, जहाँ तक वह मार सकती है, का निर्धारण ■ जीएसआर — गठन तंत्र, संग्रहण और संरक्षण ■ आग्नेयास्त्रों और आग्नेयास्त्रों की चोट से संबंधित साक्ष्यों के संग्रहण और संरक्षण के तरीके ■ बारबार जांचे जाने वाले विभिन्न तंतु साक्ष्य ■ ग्लास पेंट, वाहन दुर्घटनाओं में साक्ष्य, साक्ष्य की फोटोग्राफी
IV	10	<p>कम्प्यूटर अनुप्रयोग</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ रोगी देखभाल प्रतिपादन प्रणाली और नर्सिंग अभ्यास में कंप्यूटर अनुप्रयोग ■ फोरेंसिक नर्सिंग अभ्यास में शिक्षण, अधिगम तथा शोध में कंप्यूटर का उपयोग ■ विंडोज, एमएस ऑफिस, वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और इंटरनेट ■ अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) ■ फोरेंसिक विज्ञान और कंप्यूटर <ul style="list-style-type: none"> — विशिष्ट सॉफ्टवेयर का उपयोग करके फोरेंसिक मामलों के विवरण की डेटा एंट्री — विवरणों का भंडारण (डेटा स्टोरेज) — इंटरनेट डेटा का फोरेंसिक विश्लेषण

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
V	20	आविष विज्ञान <ul style="list-style-type: none"> परिचय विषों का वर्गीकरण और विषों की क्रियाशीलता क्रियान्वयन के तरीके विषाक्तता को प्रभावित करने वाले कारक अवशोषण और उन्मूलन जीवित और मृत में निदान नर्सिंग देखभाल सहित विषाक्तता के मामलों का प्रबंधन विषाक्तता के मामलों में प्रक्रिया आंतरांग का चयन, आंतरांग के संग्रहण की तकनीक और विशेष मामलों में अतिरिक्त आंतरांग के नमूनों के संग्रहण की तकनीक आंतरांग नमूनों का संरक्षण, पैकिंग और प्रयोगशाला को अग्रोषण विषैले परिणामों का प्रस्तुतिकरण स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम का परिचय, इसके प्रावधान और फोरेंसिक नर्सिंग में उनका महत्व नशीले पदार्थों के प्रकार नशीली पदार्थों की पहचान — नशीली पदार्थों के साक्ष्यों का संग्रहण और संरक्षण एफटीआईआर और एचपीएलसी द्वारा नशीली पदार्थों का विश्लेषण
VI	15	यौन अपराध <ul style="list-style-type: none"> चिकित्सीय विधिक पहलू पीड़ित और आरोपी की जांच बाह्य संकेत अप्राकृतिक यौन अपराधों के साक्ष्यों का संग्रहण और संरक्षण यौन विकृतियां बाल शोषण — परिभाषा, प्रकार, बाल शोषण के शिकार, संकेत, फोरेंसिक नर्सिंग देखभाल महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के विभिन्न रूप — दहेज उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, परिवर्तित लिंगानुपात के परिणाम, फोरेंसिक महत्व गर्भपात कानूनी और आपराधिक <ul style="list-style-type: none"> आपराधिक गर्भपात के साक्ष्य उपार्जन के तरीके चिकित्सकीय विधिक पहलू तात्कालिक प्रसव के संकेत नपुंसकता और बांझपन <ul style="list-style-type: none"> कारण चिकित्सीय विधिक पहलू यथार्थता और पितृत्व <ul style="list-style-type: none"> साक्ष्य संग्रहण फोरेंसिक महत्व स्थानापन्न मां (सरोगेट मदर) कानूनी पहलू शिशु हत्या <ul style="list-style-type: none"> मृत जात और जन्म के बाद नवजात को मारना चिकित्सकीय विधिक पहलू
VII	10	दम घुटना <ul style="list-style-type: none"> प्रकार और उनके चिकित्सकीय विधिक महत्व सबूतों का संग्रहण भूख, सर्दी, गर्मी से मौत और उनका चिकित्सकीय विधिक महत्व
VIII	15	चोट लगना <ul style="list-style-type: none"> प्रकार और चिकित्सकीय विधिक पहलू

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> वाहन दुर्घटनाओं, जलने, बिजली के कारण लगने वाली चोटों और उनके चिकित्सकीय विधिक पहलू
IX	05	अंग प्रत्यारोपण <ul style="list-style-type: none"> दाता और शव प्रत्यारोपण से संबंधित अंग प्रत्यारोपण के मुद्दे परामर्श, सहमति, दस्तावेजीकरण वीडियोग्राफी
X	20	मौत <ul style="list-style-type: none"> मृत्यु के लक्षण मृत्यु के तरीके मृत्यु का अनुमान शवपरीक्षा परिवर्तन (पोस्टमॉर्टम चेंजेज) मृत्यु से अब तक का समय शव का निपटान और दाह संस्कार से पहले आवश्यक साक्ष्य एकत्र करना चिकित्सकीय विधिक शव परीक्षा (मेडिको लीगल ऑटोप्सी) <ul style="list-style-type: none"> उद्देश्य प्रकार मृत्यु के कारण अपघटित/छिन्न-भिन्न शवों की जांच विकृत शव अंशावशेष और हड्डियां आपदा प्रबंधन (मानव-रचित और प्राकृतिक) – फोरेंसिक नर्सिंग का महत्व व्यक्तिगत पहचान <ul style="list-style-type: none"> व्यक्तिगत पहचान का निर्धारण डीएनए सबूत, दंत रिकॉर्ड, प्रत्यारोपण आदि डीएनए फिंगर प्रिंटिंग पहचान का विरूपण चिकित्सकीय विधिक पहलू

प्रायोगिक

1 सप्ताह = 30 घंटे

कुल = 660 घंटे

क्र.सं.	विभाग / इकाई	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	फोरेंसिक विभाग	8	240 घंटे
2.	आपातकालीन विभाग	4	120 घंटे
3.	फोरेंसिक प्रयोगशाला	2	60 घंटे
4.	पुलिस प्रबंधन	2	60 घंटे
5.	अदालती कार्यवाही को देखना	2	60 घंटे
6.	आविष विज्ञान इकाई	2	60 घंटे
7.	अंग प्रत्यारोपण	2	60 घंटे
	कुल योग	22 सप्ताह	660 घंटे

गतिविधियां

- मरणोपरांत शव परीक्षा
- नैदानिक प्रस्तुतियां
- पूर्ववृत्त लेना
- मामले का अध्ययन
- परियोजना कार्य

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान एवं चर्चा

- मामले का प्रस्तुतिकरण
- सेमिनार
- क्षेत्रीय दौरे

मूल्यांकन के तरीके

- परीक्षण
- नियत कार्य

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता
परीक्षण (2 परीक्षण)	50
नियत कार्य	25
सेमिनार/प्रस्तुतिकरण	25
कुल योग	100

प्रायोगिक: ओएससीई/ओएसपीई

नर्सिंग शोध तथा सांख्यिकी

स्थापन: प्रथम वर्ष

अनुदेश की अवधि:

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 100 घंटे

कुल योग: 250 घंटे

भाग—अ: नर्सिंग शोध

सैद्धांतिक: 100 घंटे

प्रायोगिक: 50 घंटे

कुल योग: 150 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: पाठ्यक्रम को छात्रों द्वारा शोध समस्या की पहचान करने, योजना बनाने और एक शोध योजना को लागू करने के आधार के रूप में शोध पद्धति और सांख्यिकीय विधियों की समझ हासिल करने में सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। यह आगे छात्रों को शोध अध्ययनों का मूल्यांकन करने और नर्सिंग अभ्यास, शिक्षा और प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार के लिए शोध निष्कर्षों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. बुनियादी शोध शब्दावली और अवधारणाओं को परिभाषित करना।
2. विभिन्न स्रोतों का उपयोग करते हुए साहित्यिक समीक्षा करना।
3. शोध पद्धति का वर्णन करना।
4. शोध प्रस्ताव विकसित करना।
5. शोध अध्ययन का संचालन करना।
6. शोध निष्कर्षों को संप्रेषित करना।
7. शोध निष्कर्षों का उपयोग करना।
8. नर्सिंग शोध अध्ययनों का समालोचनात्मक मूल्यांकन करना।
9. प्रकाशन के लिए वैज्ञानिक लेख लिखना।

अध्ययन विषय—वस्तु

इकाई	घंटे		विषय—वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
I	10		परिचय <ul style="list-style-type: none"> ■ जानकारी प्राप्त करने के तरीके — समस्या समाधान और वैज्ञानिक विधि ■ शोध — परिभाषा, विशेषताएं, उद्देश्य, शोध के प्रकार

इकाई	घंटे		विषय—वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
			<ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग में शोध का ऐतिहासिक उद्भव बुनियादी शोध शब्दावली नर्सिंग शोध का दायरा — क्षेत्र, नर्सिंग में समस्याएं, स्वास्थ्य और सामाजिक शोध साक्ष्य आधारित अभ्यास की अवधारणा शोध में नैतिकता शोध प्रक्रिया का अवलोकन
II	5	5	साहित्यिक समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> महत्व, उद्देश्य, स्रोत, संसाधनों के चयन के लिए मानदंड और साहित्यिक समीक्षा के चरण
III	12		शोध दृष्टिकोण और डिजाइन <ul style="list-style-type: none"> प्रकार — मात्रात्मक और गुणात्मक मात्रात्मक: ऐतिहासिक, सर्वेक्षण और प्रयोगात्मक — विशेषताएं, प्रकार, फायदे और नुकसान गुणात्मक: घटना विज्ञान, आधारभूत सिद्धांत, नृवंशविज्ञान
IV	10	5	शोध समस्या <ul style="list-style-type: none"> शोध समस्या की पहचान समस्या विवरण और शोध उद्देश्यों का निरूपण शब्दावली की परिभाषा धारणाएं और परिसीमन चरों की पहचान परिकल्पना — परिभाषा, सूत्रीकरण और प्रकार
V	5	5	सैद्धांतिक/वैचारिक ढांचे का विकास <ul style="list-style-type: none"> सिद्धांत — प्रकृति, विशेषताएं, उद्देश्य और उपयोग वैचारिक ढांचे, मॉडल और सिद्धांतों का उपयोग, परीक्षण और विकास करना
VI	6		नमूना चयन <ul style="list-style-type: none"> जनसंख्या और नमूना नमूने को प्रभावित करने वाले कारक नमूना लेने की तकनीक नमूने का आकार संभाव्यता और नमूना त्रुटि नमूना लेने में आने वाली समस्याएं
VII	20	10	डेटा संग्रह के साधन और तरीके <ul style="list-style-type: none"> डेटा संग्रह की अवधारणा डेटा के स्रोत, तरीके/तकनीक — मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा संग्रहण के साधन — प्रकार, विशेषताएं और उनका विकास उपकरणों की वैधता और विश्वसनीयता डेटा संग्रहण प्रक्रिया
VIII	5		शोध योजना लागू करना <ul style="list-style-type: none"> प्रारंभिक अध्ययन, समीक्षा शोध योजना (डिजाइन), डेटा संग्रहण योजना, साधन/मध्यवर्तनों का अनुप्रयोग, डेटा संग्रहण
IX	10	10	विवरण विश्लेषण और विवेचन <ul style="list-style-type: none"> विवरण विश्लेषण योजना — मात्रात्मक और गुणात्मक कंप्यूटर विश्लेषण के लिए विवरण तैयार करना और प्रस्तुति

इकाई	घंटे		विषय—वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
			<ul style="list-style-type: none"> सांख्यिकीय विश्लेषण विवरण की व्याख्या निष्कर्ष और सामान्यीकरण सारांश और चर्चा
X	10		शोध निष्कर्षों की रिपोर्ट करना और उनका उपयोग करना <ul style="list-style-type: none"> शोध परिणामों का संचार — मौखिक और लिखित शोध रिपोर्ट उद्देश्य लेखन, विधियाँ और शैली — जैसे वैकूवर, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए), हार्वर्ड, कैपबेल आदि प्रकाशन के लिए वैज्ञानिक लेख लिखना — उद्देश्य और शैली
XI	3	8	शोध रिपोर्टों और लेखों का आलोचनात्मक विश्लेषण
XII	4	7	शोध प्रस्ताव विकसित करना और प्रस्तुत करना

गतिविधियाँ

- शोध रिपोर्टों और लेखों की व्याख्यात्मक ग्रंथ सूची
- चयनित विषय की साहित्यिक समीक्षा और रिपोर्टिंग
- समस्या कथन, उद्देश्य और परिकल्पना का निरूपण
- सैद्धांतिक/वैचारिक ढांचा विकसित करना
- नमूना शोध साधन तैयार करना
- दिए गए विवरण का विश्लेषण और व्याख्या
- शोध प्रस्ताव विकसित करना और प्रस्तुत करना
- जर्नल क्लब प्रस्तुति
- चयनित शोध अध्ययनों का आलोचनात्मक मूल्यांकन
- वैज्ञानिक लेख लेखन

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान एवं चर्चा
- सेमिनार/प्रस्तुति
- परियोजना
- अध्ययन कक्ष अभ्यास
- जर्नल क्लब

मूल्यांकन के तरीके

- प्रश्नोत्तरी, परीक्षा (सत्र)
- नियत कार्य/सत्रीय परीक्षा
- प्रस्तुतियाँ
- परियोजना कार्य

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता (15 अंक)
परीक्षण (2 परीक्षण)	40:
नियत कार्य	20:
प्रस्तुतिकरण	20:
परियोजना कार्य	20:
कुल योग	100:

भाग-ब: सांख्यिकी**अनुदेश की अवधि:**

सैद्धांतिक: 50 घंटे

प्रायोगिक: 50 घंटे

कुल योग: 100 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र सांख्यिकीय विधियों की समझ विकसित करने और नर्सिंग में शोध अध्ययन करने में उन्हें लागू करने में सक्षम होंगे।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. सांख्यिकी से संबंधित बुनियादी अवधारणाओं की व्याख्या करना।
2. स्वास्थ्य और नर्सिंग में सांख्यिकी के कार्यक्षेत्र का वर्णन करना।
3. विवरण की अर्थपूर्ण व्यवस्थित, सारणीबद्ध प्रस्तुति करना।
4. परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए वर्णनात्मक और अनुमानात्मक आंकड़ों का उपयोग करना।
5. अध्ययन के निष्कर्ष निकालना और परिणामों के सांख्यिकीय महत्व का पूर्वानुमान लगाना।
6. महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सांख्यिकी का वर्णन करना और स्वास्थ्य संबंधी शोध में उनका उपयोग करना।
7. विवरणों का विश्लेषण करने के लिए सांख्यिकीय पैकेज का प्रयोग करना।

अध्ययन विषय-वस्तु

इकाई	घंटे		विषय-वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
I	7	4	परिचय <ul style="list-style-type: none"> ■ अवधारणाएं, प्रकार, महत्व और सांख्यिकी का दायरा, विवरण का अर्थ ■ नमूना, पैरामीटर ■ विवरण का प्रकार और स्तर और उनका पैमाना ■ विवरण का ढांचा और प्रस्तुति – विवरण का सारणीकरण ■ आवृत्ति प्रतिपादन ■ चित्रमय और सारणीबद्ध प्रस्तुतियां
II	4	4	केंद्रीय प्रवृत्ति माप माध्य, माध्यिका, विधा
III	4	5	विचरण माप <ul style="list-style-type: none"> ■ रेंज, शतमक, औसत विचलन, चतुर्थक विचलन, मानक विचलन
IV	3	2	सामान्य वितरण <ul style="list-style-type: none"> ■ सामान्य प्रायिकता वक्र की प्रायिकता, विशेषताएं और अनुप्रयोग; नमूनाकरण त्रुटि
V	6	8	संबंधीय माप <ul style="list-style-type: none"> ■ सहसंबंध – आवश्यकता और अर्थ ■ रैंक क्रम सहसंबंध ■ स्कैटर आरेख विधि ■ उत्पाद क्षण सहसंबंध ■ सरल रैखिक प्रतिगमन – विश्लेषण और पूर्वानुमान
VI	5	2	डिजाइन और अर्थ <ul style="list-style-type: none"> ■ प्रायोगिक डिजाइन ■ जोड़े में तुलना, यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन, लैटिन वर्ग
VII	8	10	सांख्यिकी का महत्व और दो सांख्यिकियों के बीच के अंतर का महत्व (परीक्षण परिकल्पना) <ul style="list-style-type: none"> ■ गैर पैरामीट्रिक परीक्षण— ची-स्क्वायर परीक्षण, चिह्न, माध्यिका परीक्षण, मान व्हिटनी परीक्षण

इकाई	घंटे		विषय-वस्तु
	सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
			<ul style="list-style-type: none"> पैरामीट्रिक परीक्षण— 'टी' परीक्षण, एनोवा, मनोवा, एंकोवा
VIII	5	5	मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग <ul style="list-style-type: none"> स्केलिंग — जेड स्कोर, जेड स्केलिंग मानक स्कोर और टी स्कोर परीक्षण स्कोर की विश्वसनीयता — परीक्षण-पुनः परीक्षण विधि, समानांतर रूप, विभाजित अर्ध विधि
IX	4	2	स्वास्थ्य में सांख्यिकी का अनुप्रयोग <ul style="list-style-type: none"> अनुपात, दर, रुझान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आंकड़े — जन्म और मृत्यु दर प्रजनन क्षमता, रुग्णता और मृत्यु दर से संबंधित उपाय
X	4	8	विवरण विश्लेषण के लिए कंप्यूटर का उपयोग <ul style="list-style-type: none"> सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग

गतिविधियां

- आंकड़ों के ढांचे और सारणीकरण पर अभ्यास
- विवरण की चित्रमय और सारणीबद्ध प्रस्तुति
- वर्णनात्मक और अनुमानात्मक आंकड़ों की गणना (ची वर्ग, टी-परीक्षण, सहसंबंध)
- सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग करने का अभ्यास
- महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आंकड़ों की गणना

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान एवं चर्चा
- विवरण के ढांचे, सारणीकरण, आंकड़ों की गणना, सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग, अध्ययन कक्ष अभ्यास, विवरण के ढांचे और सारणीकरण का निष्पादन
- वर्णनात्मक और अनुमानात्मक सांख्यिकी, महत्वपूर्ण और स्वास्थ्य सांख्यिकी की गणना करना और सांख्यिकीय पैकेज का उपयोग करके विवरण प्रविष्टि और विश्लेषण के लिए कंप्यूटर का उपयोग करना

मूल्यांकन के तरीके

- परीक्षण, अध्ययन कक्ष सांख्यिकीय अभ्यास

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता (10 अंक)
परीक्षण (2 परीक्षण)	100:

नर्सिंग प्रबंधन

स्थापन: द्वितीय वर्ष

अनुदेश की अवधि:

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 150 घंटे

कुल योग: 300 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: इस पाठ्यक्रम को नर्सिंग प्रबंधन से संबंधित सिद्धांतों, अवधारणाओं, प्रवृत्तियों और मुद्दों की व्यापक समझ विकसित करने में छात्रों की सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, यह छात्रों को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तरों पर नर्सिंग सेवाओं की योजना बनाने, उनका पर्यवेक्षण करने और प्रबंधन करने संबंधित कौशल को समझने, सराहना करने और हासिल करने का अवसर प्रदान करेगा।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों की धारणा और उद्देश्यों का वर्णन करना।
2. नर्सिंग प्रवृत्तियों और मुद्दों की पहचान करना।
3. नर्सिंग प्रबंधन की तुलना में लोक प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन की चर्चा करना।
4. नर्सिंग पर लागू प्रबंधन सिद्धांतों का वर्णन करना।
5. विभिन्न स्तरों/संस्थानों पर स्वास्थ्य और नर्सिंग सेवाओं की संरचना की व्याख्या करना।
6. बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए विभिन्न एजेंसियों के साथ सहयोग और समन्वय करना।
7. विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल तंत्रों के लिए नर्सिंग कार्यबल की योजना, पर्यवेक्षण और प्रबंधन पर चर्चा करना।
8. नर्सिंग देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए नर्सिंग शिक्षा और नर्सिंग सेवा के बीच विभिन्न सहयोगी मॉडलों पर चर्चा करना।
9. नर्सिंग प्रबंधन में कानूनी तथा नैतिक मुद्दों की पहचान और विश्लेषण करना।
10. नर्सिंग सेवाओं में गुणवत्ता आश्वासन की प्रक्रिया का वर्णन करना।
11. विभिन्न स्तरों पर नर्सिंग में नेतृत्व प्रदर्शित करना।

अध्ययन विषय—वस्तु

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
I	10	परिचय <ul style="list-style-type: none"> ■ दर्शन, उद्देश्य, अवयव, सिद्धांत और प्रबंधन का दायरा ■ भारतीय संविधान, भारतीय प्रशासनिक प्रणाली की तुलना में स्वास्थ्य देखभाल प्रतिपादन प्रणाली – राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय ■ राष्ट्रीय, राज्य, जिला और संस्थानों – अस्पताल और समुदाय में नर्सिंग सेवाओं और शिक्षा की संरचना और कार्य ■ योजना प्रक्रिया – पंचवर्षीय योजनाएं, स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समितियों की रिपोर्ट, राजकीय तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियां, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, राष्ट्रीय आयुष नीति और योजनाएं
II	10	प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> ■ प्रबंधन के कार्य ■ योजना और नियंत्रण ■ समन्वय और प्रतिनिधिमंडल ■ निर्णय लेना – विकेंद्रीकरण, विकेंद्रीकरण के बुनियादी लक्ष्य ■ प्रबंधन की अवधारणा नर्सिंग प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> ■ अवधारणा, प्रकार, सिद्धांत और तकनीक ■ परिकल्पना और मिशन वक्तव्य ■ दर्शन, लक्ष्य और उद्देश्य ■ नर्सिंग प्रबंधन में वर्तमान रुझान और मुद्दे ■ सिद्धांत और मॉडल नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
III	15	योजना <ul style="list-style-type: none"> ■ योजना प्रक्रिया – अवधारणा, सिद्धांत, संस्थागत नीतियां ■ मिशन, दर्शन, उद्देश्य ■ सामरिक योजना बनाना ■ संचालन योजना ■ प्रबंधन योजना ■ कार्यक्रम मूल्यांकन एवं समीक्षा तकनीक (पीईआरटी), गैंट चार्ट, उद्देश्यों द्वारा प्रबंधन (एमबीओ) ■ नए उद्यमों की योजना बनाना ■ परिवर्तन के लिए योजना बनाना

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> नर्सिंग में नवाचार नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
IV	15	संरचना <ul style="list-style-type: none"> अवधारणा, सिद्धांत, उद्देश्य, प्रकार और सिद्धांत, संरचना की न्यूनतम आवश्यकताएं, संगठनात्मक संरचना विकसित करना, स्तर, संगठनात्मक प्रभावशीलता और संगठनात्मक वातावरण नर्सिंग सेवाओं का आयोजन और रोगी देखभाल — रोगी के नियत कार्य के तरीके — फायदे और नुकसान, प्राथमिक नर्सिंग देखभाल योजना और आयोजन — अस्पताल, इकाई और सहायक सेवाएं (विशेष रूप से केंद्रीय रोगाणुहीन आपूर्ति विभाग, कपड़े धोने, रसोई, प्रयोगशाला सेवाएं, आपातकालीन आदि) नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
V	15	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए मानव संसाधन <ul style="list-style-type: none"> स्टाफिंग <ul style="list-style-type: none"> दर्शन मानदंड — कर्मचारी निरीक्षण इकाई (एसआईयू), बजाज समिति, उच्चाधिकार प्राप्त समिति, भारतीय उपचर्या परिषद् (आईएनसी) नर्सिंग कर्मियों की आवश्यकता का आंकलन — गतिविधि विश्लेषण विभिन्न शोध अध्ययन भर्ती — प्रमाणपत्रों की जांच, चयन, नियुक्ति, पदोन्नति प्रतिधारण कार्मिक नीतियां निष्कासन कर्मचारी विकास कार्यक्रम विभिन्न श्रेणी के नर्सिंग कर्मियों के कर्तव्य और दायित्व नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
VI	15	संचालक <ul style="list-style-type: none"> भूमिकाएं और कार्य अभिप्रेरणा — आंतरिक, बाह्य, प्रेरक वातावरण का निर्माण प्रेरक सिद्धांत संचार — प्रक्रिया, प्रकार, रणनीति, पारस्परिक संचार, माध्यम, बाधाएं, समस्याएं, गोपनीयता, जनसंपर्क प्रतिनिधिमंडल — प्रतिनिधिमंडल की सामान्य त्रुटियां मतभिन्नता प्रबंधन — प्रक्रिया, प्रबंधन, बातचीत, आम सहमति सामूहिक सौदेबाजी — स्वास्थ्य देखभाल श्रम कानून, यूनियन, पेशेवर संघ, नर्स प्रबंधक की भूमिका व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
VII	10	सामग्री प्रबंधन <ul style="list-style-type: none"> अवधारणाएं, सिद्धांत और प्रक्रियाएं योजना और खरीद प्रक्रिया — विनिर्देश एबीसी विश्लेषण वीईडी (बहुत महत्वपूर्ण और आवश्यक दैनिक उपयोग) विश्लेषण नर्सिंग देखभाल के लिए उपकरण और आपूर्ति की योजना बनाना— इकाई और अस्पताल माल नियंत्रण निराकरण नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
VIII	15	नियंत्रण <ul style="list-style-type: none"> गुणवत्ता आश्वासन — निरंतर गुणवत्ता सुधार

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
		<ul style="list-style-type: none"> ● मानक ● मॉडल ● नर्सिंग ऑडिट ■ निष्पादन मूल्यांकन — उपकरण, गोपनीय रिपोर्ट, प्रारूप ■ प्रबंधन, साक्षात्कार ■ पर्यवेक्षण और प्रबंधन — अवधारणाएं और सिद्धांत ■ अनुशासन — सेवा नियम, स्व-अनुशासन, रचनात्मक बनाम विनाशकारी अनुशासन, संदेहात्मक कर्मचारी, अनुशासनिक कार्यवाही, पूछताछ आदि। ■ स्व-मूल्यांकन या सहकर्मी मूल्यांकन, रोगी संतुष्टि, उपयोग की समीक्षा नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
IX	15	वित्तीय योजना <ul style="list-style-type: none"> ■ चरण ■ योजना और गैर-योजना, शून्य बजट, मध्यावधि मूल्यांकन, पूंजी और राजस्व ■ बजट अनुमान, संशोधित अनुमान, निष्पादन बजट ■ लेखा परीक्षा ■ लागत प्रभावशीलता ■ लागत लेखांकन ■ महत्वपूर्ण मार्ग ■ स्वास्थ्य देखभाल सुधार ■ स्वास्थ्य संबंधी अर्थ व्यवस्था ■ स्वास्थ्य बीमा ■ विभिन्न इकाइयों के लिए बजट और स्तर नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
X	10	नर्सिंग सूचना विज्ञान <ul style="list-style-type: none"> ■ रुझान ■ सामान्य उद्देश्य ■ अस्पताल और समुदाय में कंप्यूटर का उपयोग ■ रोगी रिकॉर्ड प्रणाली ■ नर्सिंग रिकॉर्ड और रिपोर्ट ■ प्रबंधन सूचना और मूल्यांकन प्रणाली (एमआईईएस) ■ ई-नर्सिंग, टेलीमेडिसिन, टेलीनर्सिंग ■ इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड
XI	10	नेतृत्व <ul style="list-style-type: none"> ■ अवधारणाएं, प्रकार, सिद्धांत ■ शैलियां ■ प्रबंधक व्यवहार ■ मुखिया व्यवहार ■ प्रभावी नेता — विशेषताएं, कौशल ■ सामूहिक गतिशीलता ■ सत्ता और राजनीति ■ पैरवी करना ■ महत्वपूर्ण सोच और निर्णय लेना ■ तनाव प्रबंधन

इकाई	घंटे	विषय-वस्तु
		नर्सिंग सेवा का अनुप्रयोग और शिक्षा
XII	10	कानूनी और नैतिक मुद्दे कानून और नैतिकता <ul style="list-style-type: none"> ■ नैतिक समिति ■ आचार संहिता और पेशेवर आचरण ■ कानूनी व्यवस्था – कानून के प्रकार, तर्क कानून और देनदारियां ■ नर्सिंग में कानूनी मुद्दे – लापरवाही, कदाचार, गोपनीयता का हनन, चरित्र की बदनामी ■ रोगी देखभाल के मुद्दे, प्रबंधन के मुद्दे, रोजगार के मुद्दे ■ चिकित्सकीय विधिक मुद्दे ■ नर्सिंग नियामक तंत्र – लाइसेंस, नवीनीकरण, मान्यता ■ रोगियों के अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (सीपीए) ■ विशेष समूहों के अधिकार – बच्चे, महिलाएं, एचआईवी, विकलांग, बुजुर्ग ■ पेशेवर जिम्मेदारी और जवाबदेही ■ संक्रमण नियंत्रण ■ मानक सुरक्षा उपाय

प्रायोगिक

1. स्टाफ नर्स, अध्यापन संकाय और संचयी रिकॉर्ड के लिए प्रोटोटाइप व्यक्तिगत फाइलें तैयार करना।
2. बजट अनुमान, संशोधित अनुमान और निष्पादन बजट तैयार करना।
3. कर्मचारी विकास कार्यक्रम की योजना बनाना और उसका संचालन करना।
4. संगठनात्मक चार्ट तैयार करना।
5. विभिन्न इकाइयों के लिए नर्सिंग मानक/प्रोटोकॉल विकसित करना।
6. विशिष्ट इकाइयों/अस्पताल, समुदाय और शैक्षणिक संस्थानों के लिए अभिन्यास योजना तैयार करना।
7. विभिन्न श्रेणी के नर्सिंग कर्मियों का नौकरी विवरण तैयार करना।
8. विशेष इकाइयों के लिए उपकरणों और आपूर्ति की सूची तैयार करना।
9. अस्पतालों, सामुदायिक और शैक्षणिक संस्थानों के लिए कर्मियों की आवश्यकता का आंकलन करना।
10. भर्ती प्रक्रिया के लिए कार्य योजना।
11. अस्पतालों, सामुदायिक और शैक्षणिक संस्थानों के लिए परिकल्पना और मिशन कथन तैयार करना।
12. निष्पादन मूल्यांकन के लिए कार्य योजना तैयार करना।
13. विशिष्ट इकाइयों की समस्याओं की पहचान करना और समस्या समाधान दृष्टिकोण का उपयोग करके कार्य योजना विकसित करना।
14. विशेषता इकाइयों/अस्पतालों, सामुदायिक और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक ड्यूटी रोस्टर की योजना बनाना।
15. उपाख्यान, घटना की रिपोर्ट तैयार करना, दिन व रात की रिपोर्ट तैयार करना, रिपोर्ट सौंपना और लेना, पूछताछ रिपोर्ट, नर्सों के नोट्स, आधिकारिक पत्र, जीवनवृत्त, प्रस्तुतियां आदि।
16. आपदा प्रबंधन के लिए योजना तैयार करना।
17. सामूहिक कार्यच
18. क्षेत्रीय मूल्यांकन रिपोर्ट

फोरेंसिक नर्सिंग II

(नैदानिक और फोरेंसिक मनोविज्ञान और फोरेंसिक मनश्चिकित्सा)

स्थापन: द्वितीय वर्ष

अनुदेश की अवधि:

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 950 घंटे

कुल योग: 1100 घंटे

पाठ्यक्रम निरूपण: फोरेंसिक नर्सिंग प् को छात्रों को नैदानिक मनोविज्ञान की समझ विकसित करने तथा फोरेंसिक नर्सिंग में इसका अनुप्रयोग, मनोवैज्ञानिक विकारों तथा आपराधिक व्यवहार के बीच संबंध, और परामर्श तथा संकटकालीन मध्यवर्तन में नर्सों की भूमिका को विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है।

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के अंत में, छात्र निम्नलिखित का निष्पादन करने में सक्षम होंगे

1. फोरेंसिक नर्सिंग में मनोविज्ञान के सिद्धांतों को समझना और लागू करना।
2. आक्रामकता के मनोवैज्ञानिक प्रबंधन में आक्रामकता के सिद्धांतों को लागू करना।
3. अपराध तथा आपराधिक व्यवहार के सिद्धांतों की व्याख्या करना और कानून प्रवर्तन, आपराधिक न्याय प्रणाली एवं घरेलू जीवन के संबंध में अपराध के पारिस्थितिक, मनोवैज्ञानिक तथा जैविक प्रभाव का विश्लेषण करना।
4. मनोवैज्ञानिक प्रोफाइलिंग करना और विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग करते हुए आपराधिक प्रोफाइल का विश्लेषण करना।
5. मानसिक स्थिति और आपराधिक व्यवहार के बीच संबंध की पहचान करना।
6. मनोरोग रुग्णता का आंकलन और मूल्यांकन करने में फोरेंसिक चिकित्सा परीक्षकों की सहायता करना।
7. परामर्शदाता के नैतिक दिशानिर्देशों को लागू करते हुए पीड़ितों के परामर्श के साथ मनोरोग नर्सिंग देखभाल प्रदान करना।
8. कानूनी तथा नियामक मानकों को समझने के लिए स्व-समर्थन और सशक्तिकरण के लिए कौशल विकसित करने में रोगियों की सहायता करना।
9. बड़े पैमाने की आपदा जैसी संकटकालीन स्थितियों के दौरान नर्सों की भूमिका को पहचानना और मध्यवर्तन करना।
10. अपराधियों के पुनर्वास की आवश्यकता को पहचानना।

अध्ययन विषय—वस्तु

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
I	10	<ul style="list-style-type: none"> मनोविज्ञान की परिभाषा और कार्यक्षेत्र नर्सिंग में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग सामान्यता और असामान्यता – विभिन्न मॉडल, मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक बीमारी के बीच अंतर
II	20	आक्रामकता <ul style="list-style-type: none"> आक्रामकता की परिभाषा आक्रामकता के सिद्धांत आक्रामकता के निर्धारक – मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, सांस्कृतिक स्व-नुकसान व्यवहार – स्व-नुकसान व्यवहार के निर्धारक – मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जैविक, सांस्कृतिक आंतरिक/बाह्य आक्रामकता का मनोवैज्ञानिक प्रबंधन
III	20	आपराधिक व्यवहार <ul style="list-style-type: none"> परिभाषा अपराध के सिद्धांत – पारिस्थितिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और जैविक अपराध का मनोवैज्ञानिक प्रभाव – घरेलू हिंसा, यौन शोषण और बाल शोषण
IV	15	जांच की मनोवैज्ञानिक विधि <ul style="list-style-type: none"> साक्षात्कार तकनीक मनोवैज्ञानिक परीक्षण/जांच के तरीके जांच प्रौद्योगिकियां जिसमें पॉलीग्राफ शामिल है मनोवैज्ञानिक रेखांकन पीड़ितों की मनोगतिकी व्याख्या
V	20	मनश्चिकित्सीय स्थितियां <ul style="list-style-type: none"> अपराध के साथ संबंध (विशेष रूप से आवेग नियंत्रण विकारों, मानसिक स्थितियों, जैविक मानसिक विकारों, असामाजिक व्यक्तित्व विकार, मिर्गी, मानसिक मंदता, शराब और मादक द्रव्यों के सेवन का) मानसिक रुग्णता का आंकलन

इकाई	घंटे	विषय—वस्तु
VI	20	फोरेंसिक मनश्चिकित्सा के लिए प्रासंगिक अधिनियम <ul style="list-style-type: none"> मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम भारतीय साक्ष्य अधिनियम फोरेंसिक मनोरोग — वसीयतनामा क्षमता, परीक्षण, परिवीक्षा और पैरोल झेलने की क्षमता
VII	15	तनाव, मुकाबला और समायोजन <ul style="list-style-type: none"> तनाव और उसके प्रभावों का अवलोकन मुकाबला करने की रणनीति बीमारी और विकलांगता से निपटना अपराधियों के पुनर्वास का अवलोकन
VIII	20	परामर्श की मूल बातें <ul style="list-style-type: none"> परामर्श की परिभाषा प्रक्रिया — तालमेल स्थापित करना, सुनना, सहानुभूति देना, उपचार योजना बनाना परामर्श प्रक्रिया के प्रकार — परामर्श के मॉडल प्रभावी परामर्शदाता के लक्षण परामर्शदाता के लिए नैतिक दिशानिर्देश
IX	10	संकट में मध्यवर्तन करना <ul style="list-style-type: none"> संकट में मध्यवर्तन की परिभाषा और प्रक्रिया सामूहिक आपदा के मामलों से निपटना — मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदा बंधक स्थिति से निपटना युद्ध-बंदी — जिनेवा सम्मेलन संकटकालीन मध्यवर्तन में नर्सों की भूमिका

प्रायोगिक		1 सप्ताह = 30 घंटे	कुल = 960 घंटे
क्र.सं.	विभाग / इकाई	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	तीव्र एवं जीर्ण मनोरोग वार्ड	10	300 घंटे
2.	पुनर्वास इकाई	4	120 घंटे
3.	परामर्श केंद्र	6	180 घंटे
4.	आपातकालीन विभाग	6	180 घंटे
5.	अदालती कार्यवाही को देखना	2	60 घंटे
6.	सुधारात्मक सुविधाएं	2	60 घंटे
7.	क्षेत्रीय दौरे	2	60 घंटे
	कुल योग	32 सप्ताह	960 घंटे

गतिविधियां

- नैदानिक प्रस्तुतियां
- पूर्ववृत्त लेना
- परामर्श
- मामले का अध्ययन
- परियोजना कार्य

अध्यापन के तरीके

- व्याख्यान और चर्चा
- मामले की प्रस्तुति
- सेमिनार
- क्षेत्रीय दौरे

मूल्यांकन के तरीके

- परीक्षण
- नियत कार्य

आंतरिक आंकलन

तकनीक	भारिता
परीक्षण (2 परीक्षण)	50
नियत कार्य	25
सेमिनार / प्रस्तुतिकरण	25
कुल योग	100

आंतरिक प्रयोग: ओएससीई / ओएसपीई

डॉ. टी. दिलीप कुमार, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./613/2024-25]

INDIAN NURSING COUNCIL**NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th October, 2024

INDIAN NURSING COUNCIL (M.Sc. IN FORENSIC NURSING PROGRAM) REGULATIONS, 2023

F.No. 11-1/2024-INC (VII).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 16 of Indian Nursing Council Act, 1947 (XLVIII of 1947), as amended from time to time, the Indian Nursing Council hereby makes the following regulations, namely:—

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENTS

- These Regulations may be called the **Indian Nursing Council (M.Sc. in Forensic Nursing Program) Regulations, 2023.**
- These shall come into force on the date of notification of the same in the Official Gazette of India.

2. DEFINITIONS

In these Regulations, unless the context otherwise requires,

- ‘the Act’ means the Indian Nursing Council Act, 1947 (XLVIII of 1947) as amended from time to time;
- ‘the Council’ means the Indian Nursing Council constituted under the Act;
- ‘SNRC’ means the State Nurse and Midwives Registration Council, by whichever name constituted, by the respective State Governments;
- ‘RN & RM’ means a Registered Nurse and Registered Midwife (RN & RM) and denotes a nurse who has completed successfully, recognised Bachelor of Nursing (B.Sc. Nursing) or Diploma in General Nursing and Midwifery (GNM) course, as prescribed by the Council and is registered in a SNRC as Registered Nurse and Registered Midwife;
- ‘Nurses Registration & Tracking System (NRTS)’ means a system developed by Indian Nursing Council and software developed in association with National Informatics Centre (NIC), Government of India, and hosted by NIC for the purpose of maintenance and operation of the Indian Nurses Register. It has standardised forms for collection of the data of Registered Nurse and

Registered Midwife (RN&RM)/ Registered Auxiliary Nurse Midwife (RANM)/Registered Lady Health Visitor (RLHV) upon Aadhar based biometric authentication;

- vi. 'NUID' is the Nurses Unique Identification Number given to the registrants in the NRTS system;
- vii. 'General Nursing and Midwifery (GNM)' means Diploma in General Nursing and Midwifery qualification recognized by the Council under Section 10 of the Act and included in Part-I of the Schedule of the Act.

M.Sc. IN FORENSIC NURSING PROGRAM

INTRODUCTION AND BACKGROUND

Advancements in health science and medical science are increasing rapidly. Forensic science is an important field of advancement that is gaining momentum. National Health Policy (NHP, 2017) emphasizes the need to prepare nurse specialists to provide specialized and super-specialized health care services. To meet this need, the Council developed many specialty programs with a high focus on clinical training. One such program is forensic nursing. It is hoped that master level prepared forensic nurse specialists will be able to provide specialized forensic nursing practice and leadership in this area of practice.

In today's world particularly in India, various forms of violence and abuse leading to trauma are on the increase. Victims of violence and abuse require care from trained healthcare professionals who can also treat the associated trauma, be it sexual assault, intimate partner violence, neglect or other forms of intentional injury. Forensic nursing practice, a multifaceted and complex specialty practice addresses this highly significant area of need, which is an emerging and challenging specialty. Forensic nursing is the application of forensic science, combined with clinical nursing practice as they are applied to public or legal proceedings in the law enforcement arena.

Forensic nursing practice is concerned primarily with individuals and populations affected by violence and trauma, their families, communities and the systems that respond to them. Forensic nurses will be able to practice in the areas of sexual assault, domestic violence, child abuse and neglect, elder mistreatment, death investigation, corrections and in the aftermath of mass disaster. They can practice in various settings such as hospitals, community, antiviolence programs, medical examiners' rooms, corrections institutions, and psychiatric hospitals. They also may be called on in mass disaster or community crisis situations.

PHILOSOPHY

The Council believes that:

Registered nurses need to be prepared as nurse specialists with advanced preparation such as M.Sc. in Nursing. The forensic nursing specialty is a significant area of need and registered nurses need to be trained in forensic nursing to provide safe and competent expert care to patients/clients in forensic care settings. Expanding the roles of nurses and utilizing the advances in forensic science and technology necessitates advanced training.

Post graduate program in nursing builds upon and extends competence acquired at the graduate levels and emphasizes application of relevant knowledge, principles and skills of forensic science into nursing practice, education, administration and research.

The program prepares nurses for leadership position in forensic care settings who can function as nurse specialists, consultants, educators and researchers in promoting health care and safety in the community.

The program provides the basis for the post masteral programs and further encourages accountability and commitment to lifelong learning that fosters improvement of quality of forensic nursing practice.

AIM

The M.Sc. in Forensic Nursing Program prepares registered B.Sc. Nurses to assume responsibilities as forensic nurse specialist, expert consultant, educator and administrator in a variety of forensic care settings.

OBJECTIVES

On completion of M.Sc. in Forensic Nursing Program, the graduates will be able to

1. Apply specialized knowledge and principles of nursing and forensic science in promotion of health care and safety in the community.
2. Demonstrate specialist competencies in the practice of forensic nursing.
3. Practice as a nurse expert in providing specialized care to patients who are victims of violence and trauma including investigation of trauma and death.
4. Demonstrate leadership competencies and function effectively as a nurse consultant, educator/manager in forensic care settings.
5. Develop and promote interface with multidisciplinary healthcare teams and criminal justice system of India.

PROGRAM DESCRIPTION

This program is designed to train registered B.Sc. nurses as forensic nurse specialists with specialized knowledge, skills and attitude in providing expert and quality care to patients/clients, their families and communities in forensic care settings. Further, the specialist nurse is prepared for trauma and death investigation e.g. injury identification, evaluation and documentation.

GUIDELINES AND MINIMUM REQUIREMENTS FOR STARTING M.Sc. FORENSIC NURSING

1. The following Establishments/Organizations are eligible to start a M.Sc. Nursing in Forensic program:
 - a) Central Government/State Government/Local Body;
 - b) Government medical college having 500 or more bedded hospital with diagnostic, therapeutic, and state of the art clinical forensic medicine and nursing care facilities or specialty/tertiary hospital having 500 or more beds with diagnostic, therapeutic, and state of the art clinical forensic medicine and nursing care facilities.
2. The eligible Establishments/Organizations should obtain Essentiality Certificate/No Objection Certificate from the concerned State Government where the M.Sc. Nursing program is sought to be established. The particulars of the name of the College/Nursing Institution along with the name of the Trust/Society [as mentioned in Trust Deed or Memorandum of Association] as also full address shall be mentioned in No Objection Certificate/Essentiality Certificate.
3. After receipt of the Essentiality Certificate/No Objection Certificate, the eligible institution shall get recognition from the concerned SNRC for the M.Sc. Nursing program for the particular Academic Year, which is a mandatory requirement.
4. The Council shall after receipt of the above documents/proposal online, would then conduct Statutory Inspection of the recognized training nursing institution under Section 13 of the Act in order to assess the suitability with regard to availability of Teaching Faculty, Clinical and Infrastructural Facilities in conformity with Regulations framed under the provision of the Act.

*Provided that training institutions shall apply for statutory inspection, under Section 13 of the Act, to the Council within 6 months from obtaining recognition from the SNRC.

COMPETENCIES

1. The forensic nurse specialist with master's degree in forensic nursing will develop, promote and implement protocols of system responding to victims and perpetrators of trauma, injury, incidents, neglect, abuse, exploitation and all forms of violence.
2. Will impact research policy affecting human responses to violence, injury, trauma, neglect, abuse, exploitation and all forms of victimization.
3. Will educate others in the concepts and practice of forensic nursing and forensic health.
4. Develop and supervise systems of care for complex health problems related to accidents, trauma, crime, victimization, abuse, neglect, exploitation and all forms of violence.

PATTERN OF TEACHING STAFF**M.Sc. Nursing**

Professor-cum-Coordinator	1
Reader/Associate Professor	1
Lecturer	2

The above faculty shall perform dual role.

- Faculty qualification - M.Sc. in Medical Surgical Nursing/M.Sc. in Forensic Nursing (At-least one faculty should be a Post Graduate in forensic nursing by 2-5 years after starting this program).
- Faculty having additional qualification in law may be utilized to teach.

B.Sc. Nursing and M.Sc. Nursing

Annual intake of 60 students in B.Sc. Nursing and 25 students for M.Sc. Nursing program

Professor-cum-Principal	1
Professor-cum-Vice-Principal	1
Reader/Associate Professor	5
Lecturer	8
Tutor/Clinical Instructor	<u>19</u>
Total	34

One in each specialty and all M.Sc. Nursing qualified teaching faculty will participate in all collegiate programs.

Teacher Student Ratio = 1:10 for M.Sc. Nursing program.

QUALIFICATIONS & EXPERIENCE OF TEACHERS OF COLLEGE OF NURSING

S.No.	Post	Qualification & Experience
1	Professor-cum-Principal Desirable - Ph.D. Nursing is desirable	M.Sc. Nursing with 15 years' experience out of which 12 years should be teaching experience with minimum of 5 years in collegiate program
2	Professor-cum-Vice-Principal Desirable - Ph.D. Nursing is desirable	M.Sc. Nursing with 12 years' experience out of which 10 years should be teaching experience with minimum of 5 years in collegiate program
3	Professor Desirable - Ph.D. Nursing is desirable	M.Sc. Nursing with 10 years' experience out of which 7 years should be teaching experience
4.	Associate Professor Desirable - Ph.D. Nursing is desirable	M.Sc. Nursing with 8 years' experience including 5 years teaching experience
5.	Assistant Professor Desirable - Ph.D. Nursing is desirable	M.Sc. Nursing with 3 years' teaching experience

External/Guest faculty may be arranged for the selected units in different subjects as required (legal experts, police officials, forensic surgeon, criminologist, clinical/criminal psychologist).

Note:

1. No part time nursing faculty will be counted for calculating total number of faculty required for a college.
2. Irrespective of number of admissions, all faculty positions (Professor to Lecturer) must be filled.
3. For M.Sc. Nursing program appropriate number of M.Sc. faculty in each specialty be appointed subject to the condition that total number of teaching faculty ceiling is maintained.
4. All nursing teachers must possess a basic university or equivalent qualification as laid down in the schedules of the Act. They shall be registered under the State Nursing Registration Act.

5. Nursing faculty in nursing college except tutor/clinical instructors must possess the requisite recognized postgraduate qualification in nursing subjects.
6. Holders of equivalent postgraduate qualifications, which may be approved by the Council from time to time, may be considered to have the requisite recognized postgraduate qualification in the subject concerned.
7. All teachers of nursing other than Principal and Vice-Principal should spend at least 4 hours in the clinical area for clinical teaching and/or supervision of care every day.

Other Staff (Minimum Requirements)

(To be reviewed & revised and rationalized keeping in mind the mechanization and contract service)

- Ministerial

a) Administrative Officer	1
b) Office Superintendent	1
c) PA to Principal	1
d) Accountant/Cashier	1
- Upper Division Clerk 2
- Lower Division Clerk 2
- Store Keeper (Maintenance of Stores) 1
- Classroom Attendants 2
- Sanitary Staff As per the physical space
- Security Staff As per the requirement
- Peons/Office Attendants 4
- Library

a) Librarian	2
b) Library Attendants	As per the requirement
- Hostel

a) Wardens	2
b) Cooks, Bearers, Sanitary Staff	As per the requirement
c) Ayahs/Peons	As per the requirement
d) Security Staff	As per the requirement
e) Gardeners & Dhobi (desirable)	Depends on structural facilities

ELIGIBILITY CRITERIA/ADMISSION REQUIREMENTS

1. The candidate should be a Registered Nurse and Registered Midwife or equivalent with any SNRC.
2. The minimum education requirements shall be the passing of:
B.Sc. Nursing/B.Sc. Hons. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing with minimum of 55% aggregate marks.
3. The candidate should have undergone B.Sc. Nursing/B.Sc. Hons. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing program in an institution which is recognized by the Council.
4. The candidate should have minimum one year of work experience after Basic B.Sc. Nursing.
5. The candidate should have minimum one year of work experience prior or after Post Basic B.Sc. Nursing.
6. The candidate shall be medically fit.
7. 5% relaxation of marks for SC/ST candidates may be given.

Entrance/Selection Test

Selection of the candidates should be based on the merit of the entrance examination held by the University or competent authority.

REGULATIONS FOR EXAMINATION

Eligibility for appearing for the examination

75% of the attendance for theory and practical. However, 100% of attendance for practical before the award of degree.

Classification of Results

Pass	50% in Theory and Clinical Practicum
Second Division	50-59%
First Division	60-74%
Distinction	75% and above

For declaring the rank, aggregate of two years marks will be considered.

If a candidate fails either in theory or practical, he/she has to reappear for both the papers (theory & practical).

Maximum number of attempts = 3

Maximum period to complete the program = 4 years

Candidate who fails in any subject, shall be permitted to continue studies into the second year. However, the candidate shall not be allowed to appear for the second-year examination till such time that he/she passes all the subjects of the first year M.Sc. Nursing examination.

Practical

- 4 hours of practical examination per student.
- Maximum number of 10 students per day per specialty.
- The practical examination should be held in the respective clinical areas.

Dissertation

Evaluation of the dissertation should be done by the examiner prior to viva.

Duration - Viva-voce - minimum 30 minutes per student.

Guidelines for Dissertation**Tentative Schedule for Dissertation**

S. No.	Activities	Scheduled Time
1.	Submission of the research proposal	End of 9 th month of I st Year
2.	Submission of dissertation final	End of 9 th month of II nd Year

Note - Administrative approval and ethical clearance should be obtained.

Research Guides**a) Qualification of Guide**

Main Guide - Nursing faculty/nursing expert in the same clinical specialty (medical surgical/forensic nursing) holding Ph.D./M.Phil./M.Sc. Nursing with a minimum of 3 years' experience in teaching in the Post Graduate Program in Nursing

Co-Guide - Nursing faculty/expert in the field of study (may be from outside the college but should be within the city)

Subject Expert - Recognized postgraduate degree in forensic science/forensic medicine with minimum 3 years of teaching experience

*At-least one faculty should be a Post Graduate in forensic nursing within 3-5 years after starting this program.

b) Guide-Students Ratio

Maximum of 1:4 (including as co-guide)

c) Research Committee

There should be a research committee in each college comprising of minimum 5 members chaired by the Principal, College of Nursing.

Duration

Duration of the program is 2 years for M.Sc. Nursing

Available 52 weeks

Vacation 4 weeks

Examination 2 weeks

Gazetted Holidays 3 weeks

Total weeks available 43 weeks

40 hours per week 1720 hours

Total hours for 2 years 3440 hours

COURSE OF INSTRUCTION

	Theory (Hours)	Practical (Hours)
Ist Year		
Nursing Education	150	150
Advance Nursing Practice	150	200
Nursing Research and Statistics	150	100
*Forensic Nursing I	150	650
Total	600	1100
IInd Year		
Nursing Management	150	150
Nursing Research (Dissertation)		300
*Forensic Nursing II	150	950
Total	300	1400

Educational visit 2 weeks (Central Prison, District/Sessional Court, Revenue Divisional Office, Police Station)

Note: Students have to maintain log-book for each activity during the program of study.

SCHEME OF EXAMINATION

	Theory			Practical		
Ist Year	Hours	Internal	External	Hours	Internal	External
Nursing Education	3	25	75		50	50
Advance Nursing Practice	3	25	75			
Nursing Research and Statistics	3	25**	75*			
Forensic Nursing I	3	25	75		100	100
Total		100	300		150	150
IInd Year						
Nursing Management	3	25	75			
Dissertation & Viva					100	100
Forensic Nursing II	3	25	75		100	100
Total		50	150		200	200

*Nursing Research = 50 and Statistics = 25

**Nursing Research = 15 and Statistics = 10

1. Minimum pass marks shall be 50% in each of the theory and practical papers separately.
2. A candidate must have minimum of 75% attendance (irrespective of the kind of absence) in theory and practical in each subject for appearing for examination.
3. A candidate must have 100% attendance in each of the practical areas before award of degree.
4. A candidate has to pass in theory and practical exam separately in each of the paper.
5. If a candidate fails in either theory or practical paper, he/she has to re-appear for both the papers (theory and practical).
6. Maximum number of attempts permitted for each paper is 3 including first attempt.
7. The maximum period to complete the course successfully should not exceed 4 (four) years.
8. A candidate failing in more than two subjects will not be promoted to the IInd year.
9. No candidate shall be admitted to the subsequent IInd year examination unless the candidate has passed Ist year examination.
10. Maximum number of candidates for all practical examinations should not exceed 10 per day.
11. Provision of supplementary examination should be made.
12. All practical examinations must be held in the respective clinical areas.
13. One internal and one external examiner (outside the University) should jointly conduct practical examination for each student.
14. The examiner should be M.Sc. Nursing in concerned specialty and have minimum of 3 (three) years' postgraduate teaching experience.
15. One internal and one external examiner (outside the University) should evaluate dissertation and jointly conduct viva-voce for each student.
One more additional internal examiner should be a faculty with a recognized postgraduate degree in forensic science/forensic medicine with 3 years of teaching experience until faculty with M.Sc. Forensic Nursing is available.
16. For Dissertation Internal examiner (M.Sc. faculty) should be the guide and external examiner should be nursing faculty/nursing expert in the same clinical specialty holding Ph.D./M.Phil./M.Sc. Nursing with a minimum of 3 years' experience in guiding the research projects for postgraduate students of nursing.

Admission Strength

Annual admission strength for M.Sc. Nursing Program should have prior sanction/permission from the Council on the basis of clinical, physical facilities and teaching faculty.

Health Services

There should be provisions for the following health services for the students:

- a) An annual medical examination.
- b) Vaccination against tetanus, hepatitis B or any other communicable disease as considered necessary.
- c) Free medical care during illness and/or provision of health insurance should be made.
- d) A complete health record should be kept in respect of each individual student. The question of continuing the training of a student, with long term chronic illness, will be decided by the individual college.

COURSES OF INSTRUCTION

NURSING EDUCATION

Placement: Ist Year

Hours of Instruction:

Theory: 150 hours

Practical: 150 hours

Total: 300 hours

Course Description: This course is designed to assist students to develop a broad understanding of fundamental principles, concepts, trends and issues related to education and nursing education. Further, it would provide opportunity to students to understand, appreciate and acquire skills in teaching and evaluation,

curriculum development, implementation, maintenance of standards and accreditation of various nursing educational programs.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Explain the aims of education, philosophies, trends in education and health - its impact on nursing education.
2. Describe the teaching learning process.
3. Prepare and utilize various instructional media and methods in teaching learning process.
4. Demonstrate competency in teaching, using various instructional strategies.
5. Critically analyze the existing nursing educational programs, their problems, issues and future trends.
6. Describe the process of curriculum development, and the need and methodology of curriculum change, innovation and integration.
7. Plan and conduct continuing nursing education programs.
8. Critically analyze the existing teacher preparation programs in nursing.
9. Demonstrate skill in guidance and counseling.
10. Describe the problems and issues related to administration of nursing curriculum including selection and organization of clinical experience.
11. Explain the development of standards and accreditation process in nursing education programs.
12. Identify research priorities in nursing education.
13. Discuss various models of collaboration in nursing education and services.
14. Explain the concept, principles, steps, tools and techniques of evaluation.
15. Construct, administer and evaluate various tools for assessment of knowledge, skill, and attitude.

COURSE CONTENT

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
I	10		Introduction <ul style="list-style-type: none"> ➤ Education - definition, aims, concepts, philosophies & their education implications ➤ Impact of social, economic, political & technological changes on education: <ul style="list-style-type: none"> • Professional education • Current trends and issues in education • Educational reforms and National Educational Policy, various educational commissions - reports • Trends in development of nursing education in India
II	20	30	Teaching Learning Process <ul style="list-style-type: none"> ➤ Concepts of teaching and learning - definition, theories of teaching and learning, relationship between teaching and learning ➤ Educational aims and objectives - types, domains, levels, elements and writing of educational objectives ➤ Competency based education (CBE) and outcome based education (OBE) ➤ Instructional design - planning and designing the lesson, writing lesson plan - meaning, its need and importance, formats ➤ Instruction strategies - lecture, discussion, demonstration, simulation, laboratory, seminar, panel, symposium, problem solving, problem-based learning (PBL), workshop, project, role-play (socio-drama), clinical teaching methods, programmed instruction, self-directed learning (SDL), micro teaching, computer assisted instruction (CAI), computer assisted learning (CAL), simulation, case scenario, reflective learning

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
III	10	10	Instructional media and methods <ul style="list-style-type: none"> ➤ Key concepts in the selection and use of media in education ➤ Developing learning resource material using different media ➤ Instructional aids - types, uses, selection, preparation, utilization ➤ Teacher's role in procuring and managing instructional aids - projected and non-projected aids, multimedia, video-tele conferencing etc.
IV	10		Measurement and evaluation <ul style="list-style-type: none"> ➤ Concept and nature of measurement and evaluation, meaning, process, purposes, problems in evaluation and measurement ➤ Principles of assessment, formative and summative assessment - internal assessment, external examination, advantages and disadvantages ➤ Criterion and norm referenced evaluation
V	12	10	Standardized and non-standardized tests <ul style="list-style-type: none"> ➤ Meaning, characteristics, objectivity, validity, reliability, usability, norms, construction of tests: <ul style="list-style-type: none"> • Essay, short answer questions and multiple-choice questions • Rating scales, checklist, OSCE/OSPE (objective structured clinical/practical examination) • Differential scales, and summated scales, sociometry, anecdotal record, attitude scale, critical incident technique ➤ Question bank - preparation, validation, moderation by panel, utilization ➤ Developing a system for maintaining confidentiality
VI	8	5	Administration, Scoring and Reporting <ul style="list-style-type: none"> ➤ Administering a test; scoring, grading versus marks ➤ Objective tests, scoring essay test, methods of scoring, item analysis
VII	12	6	Standardized Tools <ul style="list-style-type: none"> ➤ Tests of intelligence aptitude, interest, personality, achievement, socio-economic status scale, tests for special mental and physical abilities and disabilities
VIII	5	6	Nursing Educational programs <ul style="list-style-type: none"> ➤ Perspectives of nursing education - Global and National ➤ Patterns of nursing education and training programs in India; Non-University and University programs - ANM, GNM, Basic B.Sc. Nursing, Post Basic B.Sc. Nursing, M.Sc. Nursing programs, M.Phil. and Ph.D.) in Nursing, post basic diploma programs, nurse practitioner programs
IX	12	25	Continuing Education in Nursing <ul style="list-style-type: none"> ➤ Concept - definition, importance, need scope, principle of adult learning, assessments of learning needs, priorities, resources ➤ Program planning, implementation and evaluation of continuing education programs ➤ Research in continuing education ➤ Distance education in nursing
X	10	10	Curriculum Development <ul style="list-style-type: none"> ➤ Definition, curriculum determinants, process and steps of curriculum development, curriculum models, types and framework

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
			<ul style="list-style-type: none"> ➤ Formulation of philosophy, objectives, selection and organization of learning experiences; master plan, course plan, unit plan ➤ Evaluation strategies, process of curriculum change, role of students, faculty, administrators, statutory bodies and other stakeholders ➤ Equivalency of courses - transcripts, credit system
XI	8	4	Teacher preparation <ul style="list-style-type: none"> ➤ Teacher - roles & responsibilities, functions, characteristics, competencies, qualities ➤ Preparation of professional teacher ➤ Organizing professional aspects of teacher preparation programs ➤ Evaluation - self and peer ➤ Critical analysis of various programs of teacher education in India
XII	10	5	Guidance and Counseling <ul style="list-style-type: none"> ➤ Concept, principles, need, difference between guidance and counseling, trends and issues ➤ Guidance and counseling services - diagnostic and remedial ➤ Coordination and organization of services ➤ Techniques of counseling - interview, case work, characteristics of counselor, problems in counseling ➤ Professional preparation and training for counseling
XIII	15	10	Administration of Nursing Curriculum <ul style="list-style-type: none"> ➤ Role of curriculum coordinator - planning, implementation and evaluation ➤ Evaluation of educational programs in nursing - course and program ➤ Factors influencing faculty staff relationship and techniques of working together ➤ Concept of faculty supervisor (dual) position ➤ Curriculum research in nursing ➤ Different models of collaboration between education and service
XIV	10		Management of Nursing Educational Institutions <ul style="list-style-type: none"> ➤ Planning, organizing, staffing, budgeting, recruitment, discipline, public relation, performance appraisal, welfare services, library services, hostel
XV	5	5	<ul style="list-style-type: none"> ➤ Development and maintenance of standards and accreditation in nursing education programs ➤ Role of Indian Nursing Council (INC), State Nursing Registration Councils (SNRCs), Examination Boards and University ➤ Role of professional associations and unions

Activities

- Framing philosophy, aims and objectives
- Lesson planning
- Micro-teaching - 2
- Conduct practice teachings using different teaching strategies - 10 (like lecture cum discussion, demonstration - lab method, field trips, seminars, project, role play, panel discussion, clinical methods etc.)
- Preparation and utilization of instructional aids using different media

- Develop course plans, unit plans, rotation plans
- Conduct a continuing education workshop
- Annotated bibliography
- Critical evaluation of any nursing education program offered by a selected institution
- Planning and organizing field visits
- Educational visits
- Field visits (the Council/SNRC) to get familiar with recognition/registration process
- Construct, administer and evaluate tools (objective & essay type test, observation checklist, rating scale etc.)
- Observe and practice application of various non-standardized tests (intelligence, aptitude, personality, sociometry, physical & mental disabilities)

Methods of Teaching

- Lecture cum discussion
- Demonstration/return demonstration
- Seminar/presentations
- Project work
- Field visits
- Workshop

Methods of Evaluation

- Tests
- Presentation
- Project work
- Written assignments

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/Presentation	25
Total	100

Practical - Internal Assessment

Preparation/use of learning resource material	25
Practice teaching	50
Conduct workshop/short term course	25

Practical - External Assessment

Practice teaching - 1	50
Preparation/use of learning resource material - 1	25
Construction of tests/rotation plan	25

ADVANCE NURSING PRACTICE

Placement: 1st Year

Hours of Instruction

Theory:	150 hours
Practical:	200 hours
Total:	350 hours

Course Description: The course is designed to develop an understanding of concepts and constructs of theoretical basis of advance nursing practice and critically analyze different theories of nursing and other disciplines.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Appreciate and analyze the development of nursing as a profession.
2. Describe ethical, legal, political and economic aspects of health care delivery and nursing practice.
3. Explain bio-psycho-social dynamics of health, life style and health care delivery system.
4. Discuss concepts, principles, theories, models, approaches relevant to nursing and their application.
5. Describe scope of nursing practice.
6. Provide holistic and competent nursing care following nursing process approach.
7. Identify latest trends in nursing and the basis of advance nursing practice.
8. Perform extended and expanded role of nurse.
9. Describe alternative modalities of nursing care.
10. Describe the concept of quality control in nursing.
11. Identify the scope of nursing research.
12. Use computer in patient care delivery system and nursing practice.
13. Appreciate importance of self-development and professional advancement.

COURSE CONTENT

Units	Hours	Content
I	10	Nursing as a Profession <ul style="list-style-type: none"> ▪ History of development of nursing profession, characteristics, criteria of the profession, perspective of nursing profession - national, global ▪ Code of ethics (National-INC & International-ICN, ICM), code of professional conduct (INC, ICN, ICM), autonomy and accountability, assertiveness, visibility of nurses, legal considerations ▪ Role of regulatory bodies ▪ Professional organizations and unions - self-defense, individual and collective bargaining ▪ Educational preparations, continuing education, career opportunities, professional advancement & role and scope of nursing education ▪ Role of research, leadership and management ▪ Quality assurance in nursing by regulatory councils/accreditation bodies ▪ Futuristic nursing
II	5	Health Care Delivery <ul style="list-style-type: none"> ▪ Health care environment, economics, constraints, planning process, policies, political process vis a vis nursing profession ▪ Health care delivery system - national, state, district and local level ▪ Major stakeholders in the health care system - government, non-government, industry and other professionals ▪ Patterns of nursing care delivery in India ▪ Health care delivery concerns, national health and family welfare programs, inter-sectoral coordination, role of non-governmental agencies ▪ Information, education and communication (IEC) ▪ Tele-medicine
III	10	Genetics <ul style="list-style-type: none"> ▪ Review of cellular division, mutation and law of inheritance, human genome project, the Genomic era

Units	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> Basic concepts of Genes, Chromosomes & DNA Approaches to common genetic disorders Genetic testing - basis of genetic diagnosis, pre-symptomatic and predisposition testing, prenatal diagnosis & screening, ethical, legal & psychosocial issues in genetic testing Genetic counseling Practical application of genetics in nursing
IV	10	Epidemiology <ul style="list-style-type: none"> Scope, epidemiological approach and methods Morbidity, mortality Concepts of causation of diseases and their screening Application of epidemiology in health care delivery, health surveillance and health informatics Role of nurse
V	20	Bio-Psycho social pathology <ul style="list-style-type: none"> Pathophysiology and psychodynamics of disease causation Life processes, homeostatic mechanism, biological and psycho-social dynamics in causation of disease, lifestyle Common problems - oxygen insufficiency, fluid and electrolyte imbalance, nutritional problems, hemorrhage and shock, altered body temperature, unconsciousness, sleep pattern and its disturbances, pain, sensory deprivation Treatment aspects - pharmacological and pre- and post-operative care aspects Cardiopulmonary resuscitation End of life care Infection prevention (including HIV) & standard safety measures, bio-medical waste management Role of nurse - evidence based nursing practice; best practices Innovations in nursing
VI	20	Philosophy and Theories of Nursing <ul style="list-style-type: none"> Values, conceptual models, approaches Nursing theories - Nightingale's, Henderson's, Roger's, Peplau's, Abdella's, Lewine's, Orem's, Johnson's, King's, Neuman's, Roy's, Watson's, etc. and their applications Health belief models, communication and management, etc. Concept of self-health Evidence based practice model
VII	10	Nursing Process Approach Module <ul style="list-style-type: none"> Health assessment - illness status of patients/clients (individuals, family, community), identification of health-illness problems, health behaviors, signs and symptoms of patients/clients Methods of collection, analysis and utilization of data relevant to nursing process Formulation of nursing care plans, health goals, implementation, modification and evaluation of care
VIII	30	Psychological Aspects and Human Relations <ul style="list-style-type: none"> Human behavior, life processes & growth and development, personality development, defense mechanisms

Units	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> Communication, interpersonal relationships, individual and group, group dynamics, and organizational behavior Basic human needs, growth and development (From conception through pre-school, school age through adolescence, young & middle adult, and older adult) Sexuality and sexual health Stress and adaptation, crisis and its intervention Coping with loss, death and grieving Principles and techniques of counseling
IX	10	Nursing Practice <ul style="list-style-type: none"> Framework, scope and trends Alternative modalities of care, alternative systems of health and complimentary therapies Extended and expanded role of the nurse, in promotive, preventive, curative and restorative health care delivery system in community and institutions Health promotion and primary health care Independent practice issues - independent nurse-midwifery practitioner Collaboration issues and models-within and outside nursing Models of prevention Family nursing, Home-nursing Gender sensitive issues and women empowerment Disaster nursing Geriatric considerations in nursing Evidence based nursing practice - best practices Trans-cultural nursing
X	25	Computer Applications for Patient Care Delivery System and Nursing Practice <ul style="list-style-type: none"> Use of computers in teaching, learning, research and nursing practice Windows, MS office - Word, Excel, Power Point Internet, literature search Statistical packages Hospital management information system – software

Practical: Clinical posting in the following areas:

- Specialty area - in-patient unit - 2 weeks
- Community Health Center/PHC - 2 weeks
- Emergency/ICU - 2 weeks

Activities

- Prepare case studies with nursing process approach (health assessment an emergency) and theoretical basis (coma health)
- Presentation of comparative picture of theories
- Family case - work using model of prevention
- Annotated bibliography
- Report of field visits (5)

Methods of Teaching

- Lecture cum discussion
- Seminar
- Panel discussion
- Debate
- Case presentations

- Exposure to scientific conferences
- Field visits

Methods of Evaluation

- Tests
- Presentation
- Seminar
- Written assignments

Advance Nursing Procedures

- Definition, indication and nursing implications - CPR, TPN, hemodynamic monitoring, endotracheal intubation, tracheostomy, mechanical ventilation, pacemaker, hemodialysis, peritoneal dialysis, LP, BT pleural and abdominal paracentesis OT techniques, health assessment, triage, pulse oximetry.

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/Presentation	25
Total	100

FORENSIC NURSING I

(Fundamentals of Forensic Nursing and Medico Legal & Investigation Aspects of Nursing)

Placement: 1st Year

Hours of Instruction

Theory: 150 hours

Practical: 650 hours

Total: 800 hours

Course Description: Forensic Nursing I is designed to enable students to develop broad understanding of the medico legal aspects of forensic nursing, judicial system and legal procedures required for forensic nursing practice. Further they are trained to conduct/assist forensic medical examiners in assessing and evaluating sexual assault, trauma and causes of death and provide emergency interventions to victims of violence/crime and trauma.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Recognize the importance of medico legal aspects of forensic nursing and application of legal procedures.
2. Explain the concept of forensic nursing application in scientific investigation and multi-disciplinary collaboration.
3. Understand the concept of fact witness and expert witness testimony.
4. Determine treatment for triage and provide emergency interventions for victims and/or perpetrators of trauma.
5. Collect and preserve biological, trace/physical evidences with least/without physical and emotional trauma to the victims of violence and trauma including firearm related injuries and asphyxia.
6. Apply knowledge of computers in forensic nursing practice.
7. Provide emergency nursing care to victims with poisoning.
8. Perform forensic/medical examination and evaluation of sexual trauma as per policies and procedures for conducting sexual examination for children and adults.
9. Understand medico legal aspects related to organ transplant.

10. Assist forensic medical examiners in assessing and evaluating causes of death among victims in unnatural circumstances.
11. Understand the implications of DNA evidence in criminal investigations.
12. Maintain necessary documents (records and reports) with legal implications.

COURSE CONTENT

Units	Hours	Content
I	20	<p>Forensic Science</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Introduction ▪ Definition ▪ History and development ▪ Scope and need ▪ Principles ▪ Services provided by Forensic Science Laboratory <p>Forensic Nursing</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Introduction ▪ Definition ▪ Concepts ▪ Features ▪ Importance of nursing in investigations ▪ Scope and need ▪ Application in scientific investigations ▪ Domain of forensic nursing ▪ Ethical issues in nursing ▪ Multidisciplinary collaboration <p>Police Administration</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Hierarchy of police ▪ Importance of FIR ▪ Police-medical examiner relationships ▪ Doctor-nurse relationship ▪ Police-forensic nurse relationship <p>Legal Procedures</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Judicial System in India - Indian Penal Code ▪ Types of courts, their jurisdiction and their powers ▪ Inquest types ▪ Dying declaration and dying deposition ▪ Emergency room management and documentation ▪ Domestic violence, child abuse and crime against women ▪ Type of detentions - arrest, remand, judicial custody ▪ Oral evidences - concept of fact witness and expert witness testimony <p>Importance of nursing in emergency</p> <p>Uses of radiations in visualization of evidences</p>
II	15	<p>Serology and Biology</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Blood and its composition ▪ Forensic significance - blood & alcohol analysis ▪ Composition of semen and other body fluids <p>Introduction to DNA</p>

Units	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> ▪ DNA chemical structure ▪ DNA forensic analysis and its importance in criminal investigations ▪ Procedure for collection and preservation of biological samples for DNA analysis ▪ Identification form for DNA profiling and forwarding note ▪ DNA finger printing ▪ Application of examination of hair, fibre, lip prints and bite marks
III	20	Ballistics <ul style="list-style-type: none"> ▪ Introduction to firearms and ammunitions ▪ Wound ballistics ▪ Entry and exit wounds created by different weapons and their characteristics ▪ Determination of range in case of firearm injuries ▪ GSR - mechanism of formation, collection and preservation ▪ Methods of collection and preservation of firearms and fire-arm injury related evidences ▪ Frequently examined miscellaneous trace evidences ▪ Glass paint, evidences in vehicular accidents, photography of the evidences
IV	10	Computer Applications <ul style="list-style-type: none"> ▪ Computer application for a patient care delivery system and nursing practice ▪ Use of computers in teaching, learning and research in forensic nursing practice ▪ Windows, MS Office, Word, Excel, Power Point and Internet ▪ Hospital management information system (MIS) ▪ Forensic Science and Computers <ul style="list-style-type: none"> - Data entry of forensic cases using specific software - Data storage - Forensic analysis of Internet data
V	20	Toxicology <ul style="list-style-type: none"> ▪ Introduction ▪ Classification of poisons and actions of poisons ▪ Methods of administration ▪ Factors affecting the poisoning ▪ Absorption and elimination ▪ Diagnosis in living and dead ▪ Management of poisoning cases including nursing care ▪ Procedures in poisoning cases ▪ Selection of viscera, techniques for collection of viscera and techniques for collection of additional visceral samples in special cases ▪ Preservation, packing & forwarding of viscera samples to the laboratory ▪ Interpretation of toxicological results ▪ Introduction to NDPS Act, its provision and their importance in forensic nursing ▪ Type of drugs ▪ Drug identification - collection & preservation of drug evidence ▪ Drug analysis by FTIR and HPLC
VI	15	Sexual Offences <ul style="list-style-type: none"> ▪ Medico legal aspects ▪ Examination of victim and accused ▪ External signs

Units	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> ▪ Collection and preservation of evidences for unnatural sexual offences ▪ Sexual perversions ▪ Child abuse - definition, types, victims of child abuse, signs, forensic nursing care ▪ Crimes against women in various forms - dowry harassment, sexual harassment, domestic violence, consequences of altered sex ratio, forensic importance <p>ABORTION</p> <p>Legal and Criminal</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Methods of procuring evidences of criminal abortion ▪ Medico legal aspects ▪ Signs of recent delivery <p>Impotency and Sterility</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Causes ▪ Medico legal aspects <p>Legitimacy and Paternity</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Evidence collection ▪ Forensic importance ▪ Surrogate mother ▪ Legal implications <p>Infanticide</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Still born and killing newborn after birth ▪ Medico legal aspects
VII	10	<p>Asphyxia</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Types and their medico legal importance ▪ Collection of evidences ▪ Death from starvation, cold, heat and their medico legal importance
VIII	15	<p>Injuries</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Types and medico legal aspects ▪ Injuries due to vehicular accidents, burns, electrical injuries and their medico legal aspects
IX	05	<p>Organ Transplant</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Organ transplant issues concerning donor and cadaver transplant ▪ Counseling, consent, documentation ▪ Videography
X	20	<p>Death</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Signs of death ▪ Modes of death ▪ Presumption of death ▪ Postmortem changes ▪ Time since death ▪ Disposal of the dead body and collecting necessary evidences before cremation <p>Medico Legal Autopsy</p> <ul style="list-style-type: none"> ▪ Objectives ▪ Types ▪ Causes of death ▪ Examination of decomposed bodies

Units	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> ▪ Mutilated bodies ▪ Fragmented remains and bones ▪ Disaster management (manmade and natural) - importance of forensic nursing Personal Identity <ul style="list-style-type: none"> ▪ Determining personal identity ▪ DNA evidence, dental records, implants etc. ▪ DNA finger printing ▪ Obliteration of identity ▪ Medico legal aspects

Practical**1 week = 30 hours****Total = 660 hours**

S.No.	Department/Unit	No. of Weeks	Total Hours
1.	Forensic department	8	240 hours
2.	Emergency department	4	120 hours
3.	Forensic lab	2	60 hours
4.	Police administration	2	60 hours
5.	Witnessing court proceeding	2	60 hours
6.	Toxicology unit	2	60 hours
7.	Organ transplantation	2	60 hours
	Total	22 weeks	660 hours

Activities

- Post mortem examination
- Clinical presentations
- History taking
- Case studies
- Project work

Teaching Methods

- Lecture cum discussion
- Case presentations
- Seminar
- Field visit

Methods of Evaluation

- Tests
- Assignments

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/Presentation	25
Total	100

Practical: OSCE/OSPE

NURSING RESEARCH AND STATISTICS**Placement:** 1st Year**Hours of Instruction**

Theory: 150 hours

Practical: 100 hours

Total: 250 hours

Part-A: Nursing Research

Theory: 100 hours

Practical: 50 hours

Total: 150 hours

Course Description: The course is designed to assist the students to acquire an understanding of the research methodology and statistical methods as a basis for identifying research problem, planning and implementing a research plan. It will further enable the students to evaluate research studies and utilize research findings to improve quality of nursing practice, education and management.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Define basic research terms and concepts.
2. Review literature utilizing various sources.
3. Describe research methodology.
4. Develop a research proposal.
5. Conduct a research study.
6. Communicate research findings.
7. Utilize research findings.
8. Critically evaluate nursing research studies.
9. Write scientific paper for publication.

COURSE CONTENT

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
I	10		Introduction <ul style="list-style-type: none"> ▪ Methods of acquiring knowledge - problem solving and scientific method ▪ Research - definition, characteristics, purposes, kinds of research ▪ Historical evolution of research in nursing ▪ Basic research terms ▪ Scope of nursing research - areas, problems in nursing, health and social research ▪ Concept of evidence-based practice ▪ Ethics in research ▪ Overview of research process
II	5	5	Review of Literature <ul style="list-style-type: none"> ▪ Importance, purposes, sources, criteria for selection of resources and steps in reviewing literature
III	12		Research Approaches and Designs <ul style="list-style-type: none"> ▪ Types - quantitative and qualitative <ul style="list-style-type: none"> ○ Quantitative: Historical, survey and experimental - characteristics, types advantages and disadvantages ○ Qualitative: phenomenology, grounded theory, ethnography
IV	10	5	Research Problem <ul style="list-style-type: none"> ▪ Identification of research problem

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
			<ul style="list-style-type: none"> Formulation of problem statement and research objectives Definition of terms Assumptions and delimitations Identification of variables Hypothesis - definition, formulation and types
V	5	5	Developing Theoretical/Conceptual Framework <ul style="list-style-type: none"> Theories - nature, characteristics, purpose and uses Using, testing and developing conceptual framework, models and theories
VI	6		Sampling <ul style="list-style-type: none"> Population and sample Factors influencing sampling Sampling techniques Sample size Probability and sampling error Problems of sampling
VII	20	10	Tools and Methods of Data Collection <ul style="list-style-type: none"> Concepts of data collection Data sources, methods/techniques quantitative and qualitative Tools for data collection - types, characteristics and their development Validity and reliability of tools Procedure for data collection
VIII	5		Implementing Research Plan <ul style="list-style-type: none"> Pilot study, review research plan (design), planning for data collection, administration of tool/interventions, collection of data
IX	10	10	Analysis and Interpretation of Data <ul style="list-style-type: none"> Plan for data analysis - quantitative and qualitative Preparing data for computer analysis and presentation Statistical analysis Interpretation of data Conclusion and generalizations Summary and discussion
X	10		Reporting and Utilizing Research Findings <ul style="list-style-type: none"> Communication of research results - oral and written Writing research report purposes, methods and styles - Ex. Vancouver, American Psychological Association (APA), Harvard, Campbell etc. Writing scientific articles for publication - purposes & style
XI	3	8	Critical analysis of research reports and articles
XII	4	7	Developing and presenting a research proposal

Activities

- Annotated bibliography of research reports and articles
- Review of literature of selected topic and reporting
- Formulation of problem statement, objective and hypothesis
- Developing theoretical/conceptual framework
- Preparation of a sample research tool
- Analysis and interpretation of given data
- Developing and presenting research proposal

- Journal Club presentation
- Critical evaluation of selected research studies
- Writing a scientific paper

Methods of Teaching

- Lecture-cum-Discussion
- Seminar/Presentations
- Project
- Classroom Exercises
- Journal Club

Methods of Evaluation

- Quiz, Tests (Term)
- Assignments/Term Paper
- Presentations
- Project Work

Internal Assessment

Techniques	Weightage (15 marks)
Test (2 tests)	40%
Assignment	20%
Presentation	20%
Project work	20%
Total	100%

PART-B: STATISTICS

Hours of Instruction

Theory: 50 hours

Practical: 50 hours

Total: 100 hours

Course Description: At the end of the course, the students will be able to develop an understanding of the statistical methods and apply them in conducting research studies in nursing.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Explain the basic concepts related to statistics.
2. Describe the scope of statistics in health and nursing.
3. Organize, tabulate and present data meaningfully.
4. Use descriptive and inferential statistics to predict results.
5. Draw conclusions of the study and predict statistical significance of the results.
6. Describe vital health statistics and their use in health related research.
7. Use statistical packages for data analysis.

COURSE CONTENT

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
I	7	4	Introduction <ul style="list-style-type: none"> ▪ Concepts, types, significance and scope of statistics, meaning of data ▪ Sample, parameter

Units	Hours		Content
	Theory	Practical	
			<ul style="list-style-type: none"> Type and levels of data and their measurement Organization and presentation of data - tabulation of data Frequency distribution Graphical and tabular presentations
II	4	4	Measures of Central Tendency <ul style="list-style-type: none"> Mean, Median, Mode
III	4	5	Measures of Variability <ul style="list-style-type: none"> Range, percentiles, average deviation, quartile deviation, standard deviation
IV	3	2	Normal Distribution <ul style="list-style-type: none"> Probability, characteristics and application of normal probability curve; sampling error
V	6	8	Measures of Relationship <ul style="list-style-type: none"> Correlation - need and meaning Rank order correlation Scatter diagram method Product moment correlation Simple linear regression - analysis and prediction
VI	5	2	Designs and Meaning <ul style="list-style-type: none"> Experimental designs Comparison in pairs, randomized block design, Latin squares
VII	8	10	Significance of Statistics and Significance of difference between two Statistics (testing hypothesis) <ul style="list-style-type: none"> Non parametric test - Chi-square test, sign, median test, Mann Whitney test Parametric test - 't' test, ANOVA, MANOVA, ANCOVA
VIII	5	5	Use of Statistical Methods in Psychology and Education <ul style="list-style-type: none"> Scaling - Z score, Z scaling Standard score and T score Reliability of test scores - test-retest method, parallel forms, split half method
IX	4	2	Application of Statistics in Health <ul style="list-style-type: none"> Ratios, rates, trends Vital health statistics - birth and death rates Measures related to fertility, morbidity and mortality
X	4	8	Use of Computers for Data Analysis <ul style="list-style-type: none"> Use of statistical package

Activities

- Exercises on organization and tabulation of data
- Graphical and tabular presentation of data
- Calculation of descriptive and inferential statistics (Chi square, t-test, correlation)
- Practice in using statistical package
- Computing vital health statistics

Methods of Teaching

- Lecture-cum-discussion
- Demonstration on data organization, tabulation, calculation of statistics, use of statistical package, classroom exercises, organization and tabulation of data
- Computing descriptive and inferential statistics and vital & health statistics, and use of computer for data entry and analysis using statistical package

Methods of Evaluation

- Test, Classroom statistical exercises

Internal Assessment

Techniques	Weightage (10 marks)
Test (2 tests)	100%

NURSING MANAGEMENT**Placement:** IInd Year**Hours of Instruction**

Theory: 150 hours

Practical: 150 hours

Total: 300 hours

Course Description: This course is designed to assist students to develop a broad understanding of principles, concepts, trends and issues related to nursing management. Further, it would provide opportunity to students to understand, appreciate and acquire skills in planning, supervision and management of nursing services at different levels to provide quality nursing services.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Describe the philosophy and objectives of the health care institutions at various levels.
2. Identify trends and issues in nursing.
3. Discuss the public administration, health care administration vis-a-vis nursing administration.
4. Describe the principles of administration applied to nursing.
5. Explain the organization of health and nursing services at the various levels/institutions.
6. Collaborate and co-ordinate with various agencies by using multi-sectoral approach.
7. Discuss the planning, supervision and management of nursing workforce for various health care settings.
8. Discuss various collaborative models between nursing education and nursing service to improve the quality of nursing care.
9. Identify and analyze legal and ethical issues in nursing administration.
10. Describe the process of quality assurance in nursing services.
11. Demonstrate leadership in nursing at various levels.

COURSE CONTENT

Unit	Hours	Content
I	10	Introduction <ul style="list-style-type: none"> ▪ Philosophy, purpose, elements, principles and scope of administration ▪ Indian Constitution, Indian Administrative System vis-a-vis health care delivery system - National, State and Local ▪ Organization and functions of nursing services and education at national, state, district and institutions - hospital and community

Unit	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> Planning process - five year plans, various committee reports on health, state and national health policies, national population policy, national policy on AYUSH and plans
II	10	<p>Management</p> <ul style="list-style-type: none"> Functions of administration Planning and control Co-ordination and delegation Decision making – decentralization, basic goals of decentralization Concept of management <p>Nursing Management</p> <ul style="list-style-type: none"> Concept, types, principles and techniques Vision and mission statements Philosophy, aims and objective Current trends and issues in nursing administration Theories and models <p>Application to nursing service and education</p>
III	15	<p>Planning</p> <ul style="list-style-type: none"> Planning process - concept, principles, institutional policies Mission, philosophy, objectives Strategic planning Operational plans Management plans Program evaluation and review technique (PERT), Gantt chart, management by objectives (MBO) Planning new venture Planning for change Innovations in nursing <p>Application to nursing service and education</p>
IV	15	<p>Organization</p> <ul style="list-style-type: none"> Concept, principles, objectives, types and theories, minimum requirements for organization, developing an organizational structure, levels, organizational effectiveness and organizational climate Organizing nursing services and patient care - methods of patient assignment - advantages and disadvantages, primary nursing care Planning and organizing - hospital, unit and ancillary services (specifically central sterile supply department, laundry, kitchen, laboratory services, emergency etc.) <p>Applications to nursing service and education</p>
V	15	<p>Human Resource for Health Care Management</p> <ul style="list-style-type: none"> Staffing <ul style="list-style-type: none"> Philosophy Norms - Staff Inspection Unit (SIU), Bajaj Committee, High Power Committee, Indian Nursing Council (INC) Estimation of nursing staff requirement - activity analysis Various research studies Recruitment - credentialing, selection, placement, promotion

Unit	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> ▪ Retention ▪ Personnel policies ▪ Termination ▪ Staff development program ▪ Duties and responsibilities of various category of nursing personnel Applications to nursing service and education
VI	15	Directing <ul style="list-style-type: none"> ▪ Roles and functions ▪ Motivation - intrinsic, extrinsic, creating motivating climate ▪ Motivational theories ▪ Communication - process, types, strategies, interpersonal communication, channels, barriers, problems, confidentiality, public relations ▪ Delegation - common delegation errors ▪ Managing conflict - process, management, negotiation, consensus ▪ Collective bargaining - health care labour laws, unions, professional associations, role of nurse manager ▪ Occupational health and safety Applications to nursing service and education
VII	10	Material Management <ul style="list-style-type: none"> ▪ Concepts, principles and procedures ▪ Planning and procurement procedures - specifications ▪ ABC analysis ▪ VED (very important and essential daily use) analysis ▪ Planning equipment and supplies for nursing care - unit and hospital ▪ Inventory control ▪ Condemnation Applications to nursing service and education
VIII	15	Controlling <ul style="list-style-type: none"> ▪ Quality assurance - continuous quality improvement <ul style="list-style-type: none"> • Standards • Models • Nursing audit ▪ Performance appraisal - tools, confidential reports, formats ▪ Management, interviews ▪ Supervision and management - concepts and principles ▪ Discipline - service rules, self-discipline, constructive versus destructive discipline, problem employees, disciplinary proceedings, enquiry etc. ▪ Self-evaluation or peer evaluation, patient satisfaction, utilization review Applications to nursing service and education
IX	15	Fiscal Planning <ul style="list-style-type: none"> ▪ Steps ▪ Plan and non-plan, zero budgeting, mid-term appraisal, capital and revenue ▪ Budget estimate, revised estimate, performance budget ▪ Audit ▪ Cost effectiveness

Unit	Hours	Content
		<ul style="list-style-type: none"> ▪ Cost accounting ▪ Critical pathways ▪ Health care reforms ▪ Health economics ▪ Health insurance ▪ Budgeting for various units and levels Applications to nursing service and education
X	10	Nursing Informatics <ul style="list-style-type: none"> ▪ Trends ▪ General purpose ▪ Use of computers in hospital and community ▪ Patient record system ▪ Nursing records and reports ▪ Management information and evaluation system (MIES) ▪ E-nursing, telemedicine, telenursing ▪ Electronic medical records
XI	10	Leadership <ul style="list-style-type: none"> ▪ Concepts, types, theories ▪ Styles ▪ Manager behavior ▪ Leader behavior ▪ Effective leader - characteristics, skills ▪ Group dynamics ▪ Power and politics ▪ Lobbying ▪ Critical thinking and decision making ▪ Stress management Applications to nursing service and education
XII	10	Legal and Ethical Issues Laws and Ethics <ul style="list-style-type: none"> ▪ Ethical committee ▪ Code of ethics and professional conduct ▪ Legal system - types of law, tort law and liabilities ▪ Legal issues in nursing - negligence, malpractice, invasion of privacy, defamation of character ▪ Patient care issues, management issues, employment issues ▪ Medico legal issues ▪ Nursing regulatory mechanisms - licensure, renewal, accreditation ▪ Patients' rights, consumer protection act (CPA) ▪ Rights of special groups - children, women, HIV, handicap, ageing ▪ Professional responsibility and accountability ▪ Infection control ▪ Standard safety measures

Practical

1. Prepare prototype personal files for staff nurses, faculty and cumulative records.
2. Preparation of budget estimate, revised estimate and performance budget.
3. Plan and conduct staff development program.
4. Preparation of organization chart.
5. Developing nursing standards/protocols for various units
6. Design a layout plan for specialty units/hospital, community and educational institutions.
7. Preparation of job description of various categories of nursing personnel.
8. Prepare a list of equipment and supplies for specialty units.
9. Assess and prepare staffing requirement for hospitals, community and educational institutions.
10. Plan of action for recruitment process.
11. Prepare a vision and mission statement for hospital, community and educational institutions.
12. Prepare a plan of action for performance appraisal.
13. Identify the problems of the specialty units and develop plan of action by using problem solving approach.
14. Plan a duty roster for specialty units/hospital, community and educational institutions.
15. Prepare anecdotes, incident reports, day and night reports, handing and taking over reports, enquiry reports, nurses' notes, official letters, curriculum vitae, presentations etc.
16. Prepare a plan for disaster management.
17. Group work
18. Field appraisal report

FORENSIC NURSING II**(Clinical and Forensic Psychology & Forensic Psychiatry)**

Placement: IInd Year

Hours of Instruction

Theory: 150 hours

Practical: 950 hours

Total: 1100 hours

Course Description: Forensic Nursing II is designed to enable the students to develop understanding of clinical psychology and its application to Forensic nursing, relationship between psychiatric disorders and criminal behavior and nurses' role in counseling and crisis interventions.

Objectives: At the end of the course, the students will be able to

1. Understand and apply principles of psychology in forensic nursing.
2. Apply theories of aggression in psychological management for aggression.
3. Explain theories of crime and criminal behavior and analyze the ecological, psychological and biological impact of crime in relation to law enforcement, criminal justice system and domestic living.
4. Perform psychological profiling and analyze criminal profile using various psychological tests.
5. Identify the relationship between psychiatric condition and criminal behavior.
6. Assist in forensic medical examiners in assessing and evaluating psychiatric morbidity.
7. Provide psychiatric nursing care including counseling for victims applying the ethical guidelines of a counselor.
8. Assist patients in developing skills for self-advocacy and empowerment understanding legal and regulatory parameters.
9. Identify role of nurses and perform crisis interventions during crisis situations such as mass disaster.
10. Recognize the need for rehabilitation of criminals.

COURSE CONTENT

Unit	Hours	Content
I	10	<ul style="list-style-type: none"> ▪ Definition and scope of psychology ▪ Application of psychology in nursing ▪ Normality and Abnormality - different models, difference between mental health and mental illness
II	20	Aggression <ul style="list-style-type: none"> ▪ Definition of aggression ▪ Theories of aggression ▪ Determinants of aggression - psychological, social, biological, cultural ▪ Self-harm behavior - determinants of self-harm behavior - psychological, social, biological, cultural ▪ Psychological management for internal/external aggression
III	20	Criminal Behavior <ul style="list-style-type: none"> ▪ Definition ▪ Theories of crime - ecological, social, psychological and biological ▪ Psychological impact of crime - domestic violence, sexual abuse and child abuse
IV	15	Psychological Method of Investigation <ul style="list-style-type: none"> ▪ Interview techniques ▪ Psychological testing/screening methods ▪ Technologies in investigation including polygraph ▪ Psychological profiling ▪ Interpretation of psychodynamics of victims
V	20	Psychiatric Conditions <ul style="list-style-type: none"> ▪ Relationship with crime (specifically to impulse control disorders, psychotic conditions, organic mental disorders, anti-social personality disorder, epilepsy, mental retardation, alcohol and substance abuse) ▪ Assessment of psychiatric morbidity
VI	20	Acts relevant to Forensic Psychiatry <ul style="list-style-type: none"> ▪ Mental Health Act ▪ Indian Evidence Act ▪ Forensic Psychiatry - testamentary capacity, competency to stand trial, probation and parole
VII	15	Stress, Coping and Adjustment <ul style="list-style-type: none"> ▪ Overview of stress and its influences ▪ Strategy for coping ▪ Coping with illness and disability ▪ Overview of rehabilitation of criminals
VIII	20	Basics of Counselling <ul style="list-style-type: none"> ▪ Definition of counseling ▪ Process - rapport establishment, listening, empathizing, treatment planning ▪ Types of counseling process - models of counseling ▪ Characteristics of an effective counselor ▪ Ethical guidelines for counsellor

Unit	Hours	Content
IX	10	Crisis Intervention <ul style="list-style-type: none"> ▪ Definition and process of crisis intervention ▪ Dealing with the cases of mass disaster - manmade and natural disaster ▪ Handling of hostage situation ▪ Prisoner of war - Geneva convention ▪ Role of nurses in crises intervention

Practical**1 week = 30 hours****Total = 960 hours**

S.No.	Department/Unit	No. of Weeks	Total Hours
1.	Acute and chronic psychiatric ward	10	300 hours
2.	Rehabilitation unit	4	120 hours
3.	Counseling center	6	180 hours
4.	Emergency department	6	180 hours
5.	Witnessing court proceeding	2	60 hours
6.	Correctional facilities	2	60 hours
7.	Field visits	2	60 hours
	Total	32 weeks	960 hours

Activities

- Clinical presentations
- History taking
- Counseling
- Case studies
- Project work

Teaching Methods

- Lecture and discussion
- Case presentations
- Seminar
- Field visit

Methods of Evaluation

- Tests
- Assignments

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/Presentation	25
Total	100

Internal Practical: OSCE/OSPE

Dr. T. DILEEP KUMAR, President

[ADVT.-III/4/Exty./613/2024-25]